वर्ष-14 - अंक 107
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
रविवार,26 जुलाई 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा, सभी विभागों 3
जल संकट का असंतुलित प्रबंधन अस्तित्व पर मंडराता 4
स्टारशिप ने 20 उन्नत स्टारलिंक उपग्रहों के साथ भरी सफल उड़ान..... 08

सीमा सड़क संगठन ने राजौरी पुंछ और रियासी में संपर्क मार्ग किया बहाल

श्रीनगर। लगातार भारी बारिश और भूस्खलन के कारण जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ और रियासी जिलों में कई प्रमुख सड़कें बंद हो गई थी। ऐसे मुश्किल हालात में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने तेजी से कार्रवाई करते हुए प्रभावित इलाकों में सड़क संपर्क बहाल कर दिया, जिससे सुरक्षा बलों, राहत दलों, आवश्यक सेवाओं और स्थानीय लोगों की आवाजाही फिर से सामान्य हो सकी। 19 से 24 जुलाई के बीच हुई लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ। इसके चलते कई अहम मार्ग मलबे से भर गए और लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सीमा सड़क संगठन ने तुरंत अपने कर्मचारियों, भारी मशीनों और अन्य संसाधनों को प्रभावित क्षेत्रों में भेजा। खराब मौसम और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद सड़कों से मलबा हटाने का काम लगातार जारी रखा गया। सबसे अधिक असर राजौरी-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर पड़ा, जहां कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ। संगठन की टीमों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सड़कों से मलबा हटाया, जिससे सुरक्षा बलों के वाहन, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और स्थानीय लोगों की आवाजाही दोबारा शुरू हो सकी। रियासी से महोर तथा राजौरी से बुढाल, महोर और गुल जाने वाले मार्गों पर भी कई जगह भूस्खलन हुआ। बडोरा नाले पर बनाया गया वैकल्पिक मार्ग तेज पानी के बहाव में बह गया, लेकिन पहले से लगाए गए 200 फुट लंबे अस्थायी पुल के कारण यातायात पूरी तरह बंद नहीं हुआ और महोर क्षेत्र का संपर्क बना रहा। संगठन ने बताया कि वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां आवश्यक संसाधन पहले ही पहुंचा दिए गए थे। इसी तैयारी के कारण सड़कों को कम समय में फिर से चालू किया जा सका। अग्रिम क्षेत्रों की सड़कों को भी प्राथमिकता के आधार पर बहाल किया गया, ताकि सुरक्षा बलों की आवाजाही प्रभावित न हो। लगातार बारिश से सड़क निर्माण कार्य में लगी एजेंसियों के उपकरणों और अन्य ढांचों को भी भारी नुकसान पहुंचा। इसके बावजूद सीमा सड़क संगठन और निर्माण कार्य में लगी टीमों ने कठिन परिस्थितियों में लगातार काम जारी रखा। उन्होंने सड़कों से मलबा हटाया, कमजोर हिस्सों को सुरक्षित बनाया और कम समय में यातायात फिर से शुरू कर दिया। संगठन ने कहा कि सभी प्रमुख मार्गों पर आवश्यक संपर्क बहाल कर दिया गया है, लेकिन सड़कों को हुए नुकसान की मरम्मत का काम अभी भी जारी है। टीमें लगातार तैनात हैं, ताकि यातायात बिना किसी रुकावट के चलता रहे और लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। सीमा सड़क संगठन ने कहा कि वह प्राकृतिक आपदाओं और कठिन परिस्थितियों में भी देश के सीमावर्ती इलाकों को जोड़ने का अपना दायित्व पूरी निष्ठा से निभाता रहेगा। संगठन का उद्देश्य हर मौसम में सड़क संपर्क बनाए रखना और लोगों के साथ-साथ सुरक्षा बलों की आवाजाही को सुचारु बनाए रखना है।

पाकिस्तान में सत्ता का असली केंद्र अब भी सेना, राजनीतिक संकट गहरा रहा: रिपोर्ट

पाकिस्तान में सत्ता केवल निर्वाचित सरकार के हाथों में नहीं है, बल्कि देश की राजनीतिक व्यवस्था एक 'हाइब्रिड सिस्टम' के तहत संचालित होती है, जिसमें सेना राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक राजनीति दोनों में निर्णायक भूमिका निभाती है। यह दावा राजनीतिक शोधकर्ता वास शेनॉय ने 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' में प्रकाशित एक रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार को 2024 के आम चुनावों की निष्पक्षता पर उठे सवालों, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके समर्थकों की गिरफ्तारी एवं राजनीतिक अलगाव, मीडिया पर कथित प्रतिबंध, न्यायपालिका की स्वतंत्रता में कमी और देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा जैसे मुद्दों के कारण वैधता के संकट का सामना करना पड़ रहा है। जो हालात हैं उससे धारणा मजबूत हुई है कि चुनाव की महत्ता कम हो गई है। इन परिस्थितियों ने पाकिस्तान के लाखों नागरिकों के बीच यह धारणा मजबूत की है कि अब चुनाव के जरिए शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन संभव नहीं रह गया है। इसके चलते संवैधानिक राजनीति पर लोगों का भरोसा कमजोर

हुआ है और जनाक्रोश सीधे राज्य की संस्थाओं की ओर बढ़ रहा है। शेनॉय ने यह भी कहा कि पाकिस्तान का सुरक्षा माहौल लगातार बिगड़ रहा है। उनके अनुसार, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने खासकर खैबर पख्तूनख्वा में अपने हमले तेज कर दिए हैं, जबकि बलूच अलगाववादी दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में सरकार को चुनौती दे रहे हैं। इसके अलावा इस्लामिक स्टेट-खुरासान (आईएस-के) और अन्य सांप्रदायिक संगठन भी सक्रिय हैं।रिपोर्ट में कहा गया कि अफगानिस्तान इन समूहों में से कुछ के लिए सुरक्षित ठिकाने का काम करता है, जबकि पाकिस्तान की आतंकवादी संगठनों के प्रति अतीत की चयनात्मक नीति ने 'उपयोगी' और 'शत्रुतापूर्ण' माने जाने वाले संगठनों के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। आर्थिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए शेनॉय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहायता से फिलहाल भुगतान संतुलन संकट का तत्काल खतरा टल गया है, लेकिन पाकिस्तान अब भी भारी कर्ज, सीमित कर आधार, ऊर्जा क्षेत्र की वित्तीय समस्याओं, कमजोर सार्वजनिक सेवाओं और विदेशी वित्तीय सहायता पर निर्भरता जैसी संरचनात्मक चुनौतियों से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबी, तेजी से बढ़ती आबादी और बाढ़, भीषण गर्मी तथा जल संकट जैसी समस्याएं देश की क्षमता को और कमजोर कर रही हैं। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि अमेरिका को पाकिस्तान के साथ आर्थिक और जलवायु सहयोग जारी रखना चाहिए, लेकिन साथ ही विश्वसनीय चुनाव, मजबूत नागरिक शासन और सभी आतंकवादी संगठनों के खिलाफ समान कार्रवाई की स्पष्ट शर्तें भी रखनी चाहिए। शेनॉय ने यह भी कहा कि वॉशिंगटन को पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को उसी तरह समर्थन देने से बचना चाहिए, जैसा अतीत में जनरल जिया-उल-हक को दिया गया था। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को लेकर भी ये रिपोर्ट आगाह करती है। शेनॉय के अनुसार, पाकिस्तान के परमाणु हथियार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और विशेष कमान एवं नियंत्रण प्रणाली के अधीन हैं तथा उनके उग्रवादी संगठनों के हाथ लगने की संभावना फिलहाल बेहद कम है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में अंदरूनी मिलीभगत से परमाणु सामग्री की चोरी, परमाणु ढांचे में तोड़फोड़, हथियारों के परिवहन पर हमले, संवेदनशील सामग्री के गायब होने या सैन्य तंत्र में विभाजन की स्थिति में नियंत्रण प्रणाली कमजोर पड़ने जैसे जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त ख़बरें

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ सारनाथ, 28 साल का इंतजार खत्म

वाराणसी। भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को आखिरकार यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार को इस ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा की गई। करीब 28 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद मिली इस मान्यता के साथ सारनाथ भारत का 45वां और उत्तर प्रदेश का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है। इस उपलब्धि से न केवल प्रदेश की समृद्ध बौद्ध विरासत को वैश्विक पहचान मिलेगी, बल्कि पूर्वांचल में धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। सारनाथ को 3 जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव (संभावित) सूची में शामिल किया गया था। इसके बाद विशेषज्ञों द्वारा लंबे समय तक मूल्यांकन और विभिन्न चरणों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब इसे आधिकारिक रूप से विश्व धरोहर का दर्जा प्रदान किया गया है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी ही यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल थे। सारनाथ के जुड़ने के साथ पहली बार पूर्वांचल का कोई स्थल इस प्रतिष्ठित सूची का हिस्सा बना है।

ग्वालियर के इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में भीषण आग

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित मुरार आर्मी कैंट क्षेत्र के बंसीपुरा में शनिवार को एक निजी इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें और आसमान में उठते धुएं के घने गुबार को दूर-दूर तक देखा गया, जिससे आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की भयावहता को देखते हुए अब तक 40 से 50 फायर ब्रिगेड वाहनों को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया है। गोदाम आर्मी कैंट क्षेत्र के समीप होने के कारण सेना के जवान भी आग बुझाने और राहत कार्य में सहयोग कर रहे हैं। दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि लपटें आसपास के गोदामों और अन्य प्रतिष्ठानों तक न फैल सकें। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोदाम में बड़ी मात्रा में टीवी, फ्रिज, एयर कंडीशनर, वॉशिंग मशीन, अलमारियां, पानी की मोटर सहित अन्य महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण रखे हुए थे।

राष्ट्रपति ने मंजूर किया धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा
प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर शनिवार को प्रधान का इस्तीफा मंजूर करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को उनके वर्तमान मंत्रालयों के साथ शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है। इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद प्रधानमंत्री की अनुशंसा पर राष्ट्रपति ने उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी अस्थायी रूप से प्रह्लाद जोशी को सौंपने का निर्णय लिया। प्रह्लाद जोशी वर्तमान में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, ऊर्जा तथा उपभोक्ता मामले मंत्रालयों का दायित्व संभाल रहे हैं। अब इन मंत्रालयों के साथ-साथ वे शिक्षा मंत्रालय के कार्यों का भी अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। सरकार का कहना है कि इससे मंत्रालय के कामकाज में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी और सभी प्रशासनिक प्रक्रियाएं सुचारु रूप से जारी रहेंगी। इस्तीफा देने के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रसेवा उनके जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और आगे भी रहेगी। उनके आवास पर भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के कई वरिष्ठ नेताओं का पहुंचना लगातार जारी रहा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी सहित भाजपा और एनडीए के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने उनके आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की और उनके कार्यों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यकाल देश के शिक्षा क्षेत्र में उनके समर्पण और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन से सार्वजनिक जीवन तक धर्मेंद्र प्रधान ने निरंतर अनुशासन, समर्पण और युवाओं की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशीलता का परिचय दिया। गोयल ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए और राष्ट्रहित को सदैव सर्वोपरि रखा।

भारी बारिश और जलभराव से रेल यातायात प्रभावित

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश और जलभराव का असर अब रेल यातायात पर भी दिखाई देने लगा है। पश्चिम रेलवे और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कई रेलखंडों पर पानी भर जाने से ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई ट्रेनों को निरस्त किया गया है, जबकि कई अन्य ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन कर उन्हें वैकल्पिक रेल मार्गों से संचालित किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है। पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि गुजरात स्थित गवड-उभराट रेलखंड पर लगातार बारिश के कारण रेल पुल संख्या-203 के पास जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। ट्रैक और पुल की सुरक्षा को देखते हुए इस रेलखंड पर ट्रेनों का संचालन एहतियातन रोक दिया गया। इसके चलते शुक्रवार को गाड़ी संख्या 19019 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार एक्सप्रेस का संचालन निरस्त करना पड़ा। इसी क्रम में शनिवार को गाड़ी संख्या 19020 हरिद्वार-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस भी निरस्त कर दी गई। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जलस्तर सामान्य होने और ट्रैक की तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही इस मार्ग पर ट्रेनों का संचालन दोबारा शुरू किया जाएगा। उधर, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे क्षेत्र में भी लगातार हो रही बारिश के कारण रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं। असम के सिमालगुड़ी यार्ड के समीप नदी का जलस्तर बढ़ने से रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया, जिससे कई ट्रेनों के संचालन में बाधा आई।

महिला को बचाने पहुंची यूपी-112 टीम पर हमला, पुलिसकर्मियों से मारपीट

बलरामपुर(एजसा)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में पति-पत्नी के घरेलू विवाद की सूचना पर पहुंची यूपी-112 पुलिस टीम पर ग्रामीणों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस का आरोप है कि महिला को भीड़ से सुरक्षित निकालकर उसकी शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू करते ही कुछ लोगों ने पुलिस टीम को घेर लिया और पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना में दोनों पुलिसकर्मी घायल हो गए। राहगीरों और कुछ ग्रामीणों की मदद से पुलिसकर्मी किसी तरह मौके से निकलकर अपनी जान बचा सके। घटना कोतवाली देहात क्षेत्र के खमौवा गांव की है। शुक्रवार शाम यूपी-112 कंट्रोल रूम पर नज्जो नामक महिला ने सूचना दी कि उसके पति ने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया है और उसकी बच्ची को अपने पास रखा हुआ है। सूचना मिलते ही पीआरवी-5038 पर तैनात आरक्षी दीपक कुमार राय और चालक आरक्षी मोहम्मद आरिफ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम जब गांव स्थित ईदगाह के पास पहुंची तो वहां बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र थे। महिला भीड़ के बीच घिरी हुई थी।

जौहर विवि दौरे के दौरान सपा में दिखी गुटबाजी, इकरा हसन और आजम समर्थकों में धक्का-मुक्की

रामपुर(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के रामपुर दौरे के दौरान शनिवार को जौहर रोड स्थित संत शिरोमणि गेस्ट हाउस में उस समय अफरातफरी मच गई, जब सांसद इकरा हसन और वरिष्ठ सपा नेता आजम खां के समर्थक हॉल में प्रवेश को लेकर आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। हालांकि मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया, जिससे कोई बड़ा विवाद नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल की बैठक के लिए गेस्ट हाउस के हॉल में व्यवस्था की गई थी। बैठक शुरू होने से पहले बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक भी हॉल के भीतर जाने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान सांसद इकरा हसन के समर्थकों ने उनके साथ प्रवेश करने की कोशिश की, जबकि आजम खां के समर्थक भी बड़ी संख्या में मौके पर मौजूद थे। सीमित स्थान और भारी भीड़ के कारण दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति कुछ देर के लिए इतनी बिगड़ गई कि प्रवेश द्वार पर अव्यवस्था फैल गई और प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम की व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। मौके पर मौजूद वरिष्ठ नेताओं और सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग किया। इसके बाद सांसद इकरा हसन को सुरक्षा घेरे में हॉल के भीतर ले जाया गया। स्थिति सामान्य होने के बाद प्रतिनिधिमंडल की बैठक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू हुई। गौरतलब है कि दो दिन पहले भी समाजवादी पार्टी के विधायकों और पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के रामपुर दौरे के दौरान रामपुर सांसद मोहिबुल्लाह नदवी और आजम खां के समर्थकों के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। उस दौरान दोनों पक्षों के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की थी, जिससे पार्टी के भीतर गुटबाजी खुलकर सामने आई थी।

सरकारी कोर्ट केसों का पूरा रिकॉर्ड अब डिजिटल, झारखंड में 'विधि पोर्टल 2.0' लॉन्च

रांची(एजेंसी)। झारखंड सरकार ने सरकारी न्यायालयीन मामलों के प्रबंधन को अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'विधि पोर्टल 2.0' का शुभारंभ किया है। झारखंड हाईकोर्ट के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के महाधिवक्ता रोहिताश्व रॉय ने पोर्टल का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी सचिव पूजा सिंघल, विधि विभाग के सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव, वरीय अतिरिक्त महाधिवक्ता अच्युत केशव सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं सरकारी अधिवक्ता उपस्थित रहे। राज्य सरकार ने इसे डिजिटल सुशासन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विकसित यह पोर्टल सरकारी मुकदमों के प्रबंधन को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और दक्ष बनाएगा। इसके जरिए विभिन्न सरकारी विभागों, विधि विभाग, महाधिवक्ता कार्यालय तथा सरकारी अधिवक्ताओं को एक साझा डिजिटल मंच पर जोड़ा गया है, जिससे न्यायालयीन मामलों की निगरानी और समन्वय पहले की तुलना में अधिक आसान और प्रभावी होगा। 'विधि पोर्टल 2.0' में रियल टाइम मॉनिटरिंग, ऑटोमैटिक अलर्ट, स्मार्ट वर्कफ्लो और एडवांस एनालिटिक्स जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इनकी मदद से अधिकारियों को लंबित मामलों की स्थिति, अगली सुनवाई की तारीख और आवश्यक कार्रवाई की जानकारी समय पर मिल सकेगी। इससे सरकारी पक्ष की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने के साथ-साथ मुकदमों के शीघ्र निस्तारण में भी मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार के अनुसार, नए संस्करण में 20 से अधिक नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इनमें ई-कोर्ट्स सिस्टम के साथ इंटीग्रेशन, स्मार्ट कॉज लिस्ट, दैनिक एवं साप्ताहिक केस डाइजेस्ट, एग्जीक्यूटिव डैशबोर्ड, केंद्रीकृत नोटिस प्रबंधन प्रणाली तथा मोबाइल ऐप जैसी सुविधाएं प्रमुख हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से संबंधित अधिकारी और अधिवक्ता किसी भी मामले की अद्यतन जानकारी डिजिटल माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे। सरकार ने बताया कि भविष्य में इस पोर्टल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कानूनी विश्लेषण की सुविधा भी जोड़ी जाएगी। इससे न्यायालयीन मामलों का डेटा विश्लेषण, संभावित कानूनी रणनीति तैयार करने और प्रभावी निर्णय लेने में सहायता

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नई पीढ़ी और इंकलाब की जीत: अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को नई पीढ़ी, छात्रों और युवाओं के आंदोलन की बड़ी जीत बताया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के संघर्ष ने केंद्र सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया और यह लोकतांत्रिक आंदोलन की सफलता का प्रतीक है। शनिवार को आजमगढ़ में मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा पहले ही हो जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा पेपर लीक होने और इससे जुड़े घटनाक्रम के बाद सरकार को तुरंत जिम्मेदारी तय करनी चाहिए थी। उनका आरोप था कि सरकार ने लंबे समय तक मामले को संभालने की कोशिश की, जबकि छात्रों की मांगों पर समय रहते निर्णय लिया जा सकता था। अखिलेश यादव ने कहा कि देश की नई पीढ़ी ने सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से अपने आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि युवाओं की एकजुटता के कारण सरकार को अपना रुख बदलना पड़ा। उनके अनुसार, यह आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से युवाओं की आवाज को बुलंद करने का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पूरे घटनाक्रम से सबक लेते हुए प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। भविष्य में किसी भी प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक न हो, इसके लिए पारदर्शी और मजबूत प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि नीट पेपर लीक मामले में छात्र-युवा संगठनों के साथ-साथ विपक्ष ने भी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग लगातार उठाई थी।

संक्षिप्त खबरें

बीआरसी परिसर में नई विभागीय प्रशिक्षण नोटबुक का विमोचन

बस्ती। बस्ती सदर स्थित बीआरसी परिसर में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप तिवारी ने नई विभागीय प्रशिक्षण नोटबुक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह नोटबुक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने, शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने तथा सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बीएसए अनूप तिवारी ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों एवं नवाचारों से अवगत कराया जा रहा है, जिससे विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल सभी शिक्षकों से पूरी गंभीरता और रुचि के साथ सहभागिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एआरपी प्रदीप गुप्ता, रुक्मणी मिश्रा,शिव प्रसाद, शैलेश, सर्वेन्द्र सीएसएफ की अनिका सिद्दीकी तथा रूम टू रीड एनजीओ के अमित कुमार और संजय यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक प्रतिभागी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान शिक्षण कौशल, नवाचार, कक्षा-कक्ष प्रबंधन तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा, समूह गतिविधियां एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे शिक्षकों की दक्षता में वृद्धि हो सके।

नहरें सूखी, धान की रोपाई अटकी; पानी के इंतजार में किसान परेशान

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र की नहरों में पानी न आने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। धान की रोपाई का समय चल रहा है, लेकिन सिंचाई के अभाव में सैकड़ों बीघे खेत अब भी खाली पड़े हैं। कई स्थानों पर रोपी गई धान की फसल भी सूखने लगी है। बन्नामऊ माइनर में पानी न आने से चांदा, मेरुई, तौधकपुर, गोविंदपुर, वलौली, यूसुफपुर, दतौली और चचिहा समेत कई गांवों के किसान प्रभावित हैं। किसानों का कहना है कि खेत तैयार हैं, लेकिन पानी न मिलने से रोपाई शुरू नहीं हो पा रही है। किसानों ने बताया कि एकौनी से बन्नामऊ तक फैली नहरों की सिल्ट सफाई तो कराई गई, लेकिन अब तक पानी नहीं छोड़ा गया। नहरों में पानी की जगह धूल उड़ रही है। रजबहा और माइनर भी सूखे पड़े हैं। ऐहार क्षेत्र में भी यही स्थिति बनी हुई है। देव कुमार यादव, रामकुमार, दलपत सिंह, बचई सिंह, सनत द्विवेदी, मुकेश त्रिवेदी, सुशील शुक्ला, महीप त्रिवेदी, केसरी बाजपेई आदि किसानों का कहना है कि यदि जल्द पानी नहीं मिला तो धान की खेती पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने नहरों में तत्काल जलापूर्ति शुरू कराने की मांग की है। नहर विभाग के अवर अभियंता अरशद ने बताया कि क्षेत्र की नहरों में पानी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। पुरवा ब्रांच से निकलने वाली नहर खुलवा दी गई है। उम्मीद है कि दो से तीन दिनों के भीतर क्षेत्र की नहरों में पानी पहुंच जाएगा।

दो आरोपित हिरासत में, चोरी का सामान बरामद

देवरिया। जिले के महुआडीह पुलिस ने चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो बैटरियां, एक इन्वर्टर और एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अवरही निवासी असगर (24) और मुसीर (25) के रूप में हुई है। दोनों को हेतिमपुर के पास से गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई थाना महुआडीह में पहले से दर्ज चोरी के मुकदमे की विवेचना के दौरान की गई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में चोरी का माल रखने तथा आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जमीन विवाद को लेकर दबंगों का हमला

पीड़ित परिजनों ने दबंगों के जानलेवा हमले से भाग कर किसी तरीके से बचाई अपनी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के दुबौला चौकी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भीटा में जमीनी विवाद व पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने गरीब परिवार पर जानलेवा कर दिया जिसमें कई लोगों को गंभीर चोटे लगी है पीड़ित परिजनों ने किसी तरीके से भाग अपनी - अपनी जान बचाई। मारपीट की सूचना पर 112 पुलिस पहुंची तब जाकर पीड़ित परिजनों की जान बची। आपको बता दें कि पीड़ित धनराज पुत्र राम जुगुन ग्राम पंचायत- भीटा थाना- कप्तानगंज जनपद बस्ती का निवासी है। दिनांक 23-07-2026 को विपक्षी गण अनिल पाण्डेय पुत्र कपिल देव, अंकित पाण्डेय पुत्र कपिलदेव साकिन- चनईपुर, अनोज शुक्ला पुत्र प्रदीप कुमार, प्रशान्त कुमार पुत्र प्रदीप कुमार, विपिन कुमार, विजय कुमार पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी साकिन- भीटा ने पीड़ित के जमीन पर कब्जा करने लगे व ट्रैक्टर से से मेड़ बाधने लगे और जुताई करने लगे। जिस पर दिनांक- 04-07-2006 को राजस्व टीम द्वारा नियमानुसार पत्थर नसब कर दिया गया था।

उपरोक्त जमीन पर उपरोक्त लोगो द्वारा कब्जा किया जाने लगा तब पीड़ित परिवार के सदस्यों में दुर्गावती पत्नी दयाराम, रामदयाल पुत्र राम नोकर, कैलाश पुत्र राम नोकर, धनराज पुत्र राम जुनून, शुभई, सीता पुत्री गण राम नोकर को उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा लाठी डंडा व बॉस लेकर मारने- पीटने लगे और मां बहन की भद्दी-भद्दी गालियां गालियां देने लगे व जानमाल की धमकी दिया दबंगों की पिटाई से घायल दुर्गावती पत्नी दयाराम बेहोश हो गई और उन्हें गम्भीर चोटें लगी सभी घायलों को इलाज हेतु सीएचसी कप्तानगंज लाया गया।

जहां पर घायलों का इलाज हुआ। पीड़ित परिजनों ने मीडिया टीम को बताया कि

कप्तानगंज थाने पर पूरा दिन बैठाया गया था और कार्यवाही हो रही है का आश्वासन देकर थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव ने मामले में लीपापोती करने में जुटे रहे। मामला बढ़ता देख बड़ी मशक्कत के बाद कप्तानगंज पुलिस ने उक्त प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर घायलों का मेडिकल सीएचसी कप्तानगंज कराया। उक्त प्रकरण में सीओ कलवारी से फोन के माध्यम से जानकारी ली गई तो कलवारी सीओ ने बताया कि उक्त प्रकरण में मुकदमा दर्ज हो गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में दर्जी ट्रेड के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 27 जुलाई को

देवरिया। उत्तर प्रदेश सरकार की विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत दर्जी (टेलरिंग) ट्रेड में प्रशिक्षण के लिए चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाते हुए 27 जुलाई को अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त उद्योग एस. सिद्दीकी ने बताया कि अप्रैल एवं मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करने वाले पात्र अभ्यर्थियों का साक्षात्कार सुबह 10:30 बजे से जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, देवरिया स्थित उपायुक्त उद्योग कार्यालय में होगा। उन्होंने सभी संबंधित अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि और समय पर आवश्यक अभिलेखों के साथ उपस्थित होने की अपील की है। साक्षात्कार के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों को योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं अन्य निर्धारित सुविधाओं का लाभ दिया जाएगा। उपायुक्त उद्योग ने कहा कि अभ्यर्थी समय से पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

डीसी मनरेगा को खुलेआम चुनौती दे रहा ग्राम पंचायत पड़री बाबू का भ्रष्टाचार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खंड परसरामपुर की ग्राम पंचायत पड़री बाबू में मनरेगा कार्यों को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि प्रतिदिन लगभग 53,100 की मजदूरों की फर्जी हाजिरी दर्ज कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। इन आरोपों के चलते ग्राम प्रधान शशी प्रभा सिंह की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप यह भी है कि सचिव एवं तकनीकी सहायक (TA) की कथित मनमानी के कारण ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि ग्राम पंचायत में प्रशासकीय व्यवस्था लागू होने के बाद भी भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पाया है। वहीं, मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए नियुक्त एपीओ (APO) मनरेगा की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि संबंधित

ग्राम पंचायत पड़री बाबू में मनरेगा कार्यों में फर्जी हाजिरी का आरोपपड़री बाबू में प्रतिदिन 53,100 रुपये के फर्जी भुगतान पर उठ रहा बड़ा सवाल

अधिकारी कथित रूप से मिलीभगत कर फर्जी हस्ताक्षर एवं अनियमित भुगतान को संरक्षण दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरे मामले का खुलासा हो सकता है। लोगों ने जिला प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

घुघसा में पानी से भरे तालाब में चल रहा आनलाइन फर्जी मस्टर रोल

ग्राम पंचायत घुघसा में तालाब सफाई, खुदाई और वृक्षारोपण के नाम पर फर्जीवाड़े का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खंड बनकटी अंतर्गत ग्राम पंचायत घुघसा में मनरेगा एवं विकसित भारत जी-राम जी योजना के तहत कराए जा रहे कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब में पानी और घास-फूस होने के बावजूद कागजों पर तालाब की सफाई और खुदाई का कार्य दर्शाया जा रहा है। आरोप है कि वृक्षारोपण, तालाब खुदाई एवं सफाई के नाम पर फर्जी ऑनलाइन मस्टर रोल जारी कर मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाई जा रही है और सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि धरातल पर कार्य नगण्य दिखाई देता है, जबकि अभिलेखों में बड़े पैमाने पर काम दर्शाया गया है।

ग्रामीणों ने इस मामले में ग्राम प्रधान, सचिव, तकनीकी सहायक, रोजगार सेवक और महिला मेट की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।

उनका आरोप है कि मिलीभगत से फर्जी मस्टर रोल तैयार कर सरकारी धन का बंदरबांट किया जा रहा है। वहीं एपीओ मनरेगा और खंड विकास अधिकारी बनकटी पर भी मामले की अनदेखी करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले पांच वर्षों में ग्राम पंचायत में अपेक्षित विकास कार्य नहीं हुए, जिससे लोगों में नाराजगी और जनआक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तथा ग्राम पंचायत में वास्तविक विकास कार्य सुनिश्चित करने की मांग की है। उक्त प्रकरण में खण्ड विकास अधिकारी बनकटी से फोन के माध्यम से जानकारी लेना चाहा तो खण्ड विकास अधिकारी बनकटी का फोन कवरेज क्षेत्र से बाहर निकला।

सीएम डैशबोर्ड समीक्षा में रैंकिंग सुधारने के लिए जिलाधिकारी हुए सख्त

देवरिया। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग बेहतर बनाने के लिए जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। गूगल मीट के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग की लापरवाही से जिले की रैंकिंग प्रभावित हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से सी एवं डी श्रेणी के विभागों को कार्ययोजना बनाकर जल्द ए एवं बी श्रेणी में आने के लिए प्रभावी प्रयास करने को कहा। बैठक में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई), जन कल्याणकारी योजनाओं, निर्माण कार्यों, सेतु परियोजनाओं और राइट ऑफ वे से जुड़े मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। लाभार्थीपरक योजनाओं, लंबित आवेदनों और मुख्यमंत्री किसान दुर्घटना कल्याण योजना की भी समीक्षा करते हुए पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए धनराशि वितरण में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

कलेक्ट्रेट में जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग एवं व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ उद्योग एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान उद्यमियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव रखे, जिन पर विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में विद्युत के जर्जर तार, सड़क, जल निकासी, शहर मे जाम, तथा अन्य विभागीय मामलों पर विस्तार से चर्चा हुई। उद्यमियों ने कई प्रकरणों के लंबित होने की जानकारी देते हुए उनके शीघ्र निस्तारण की मांग की। इस पर मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी उद्यमी को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और विभागीय स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित कर समस्याओं का समाधान किया जाए।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि औद्योगिक विकास जनपद की आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। शासन की मंशा के अनुरूप निवेशकों एवं उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योगों की स्थापना एवं संचालन से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए। बैठक में उद्यमियों ने अवगत कराया कि मेडिकल बेस्ट मटेरियल निर्धारित स्थान पर डिस्पोज नहीं किया जाता है जिसका संज्ञान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा लिया गया। उन्होने ईओ नगरपालिका को जुर्माना लगाने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी कहा कि मुख्य चिकित्साधिकारी को पत्र प्रेषित कर यह सुनिश्चित किया जाय कि शहर के अस्पतालो द्वारा निर्धारित स्थान पर ही मेडिकल वेस्ट मैटेरियल को डिस्पोज किया जाय। बैठक में निवेशमित्र पोर्टल, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा

स्वरोजगार, एक जनपद एक उत्पाद, वित्त पोषण सहायता योजना आदि की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय लक्ष्य के अनुरूप प्रगति करना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, उपायुक्त उद्योग राजेश रोमन, उपायुक्त प्रशासन राज्यकर उपेन्द्र यादव, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, सहायक आयुक्त खाद्य चितरंजन कुमार सिंह, एनएचआई के प्रतिनिधि, विद्युत विभाग से संबंधित अधिकारीगण, अध्यक्ष चेम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज अशोक कुमार सिंह, महासचिव चेम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज हरीश चन्द्र शुक्ला, उद्योग व्यापार मण्डल के जगदीश अग्रहरि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने विकास व कानून व्यवस्था की समीक्षा की

विकास योजनाओं और कानून व्यवस्था पर मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री (महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार) एवं जनपद प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने शुक्रवार को विकास भवन सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ शासन की विकास प्राथमिकता योजनाओं एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। उन्होंने विभिन्न विभागों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह, जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी, मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अमृता सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री ने सोलर रूफटॉप, विद्युत आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मर, सड़क निर्माण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, स्वास्थ्य सेवाएं, पंचायत भवन, स्वच्छ भारत मिशन, ऑपरेशन कायाकल्प, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वयं सहायता समूह, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, एक जनपद-एक उत्पाद, रोजगार सृजन, श्रमिक कल्याण तथा आईजीआरएस सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान उन्होंने हत्या, लूट, महिला उत्पीड़न, दुष्कर्म, अपहरण, पॉक्सो एक्ट, गैंगस्टर, रासुका तथा लंबित विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए पुलिस अधिकारियों को अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने, जनप्रतिनिधियों के माध्यम से योजनाओं का लोकार्पण एवं लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित कराने तथा जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी संजय चौहान ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों का संबंधित विभागों से अक्षरशः पालन कराया जाएगा। बैठक का संचालन जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी पन्नालाल ने किया। बैठक के बाद प्रभारी मंत्री ने जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन वितरित किए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई तथा छह माह के बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, परियोजना निदेशक (डीआरडीए) ऐश्वर्य यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जगदीशपुर प्रवास के दौरान मंडल शुकुल बाजार पहुंचे जिला अध्यक्ष

कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं; यूरिया उपलब्धता सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार (अमेठी)। जगदीशपुर प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला का शुकुल बाजार मंडल आगमन पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान 'मोदी, योगी और स्मृति ईरानी' के समर्थन में जोरदार नारे लगे। बड़ी संख्या में पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। स्वागत के बाद आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष ने संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और क्षेत्रीय समस्याओं पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। बैठक में किसानों ने यूरिया खाद की उपलब्धता की समस्या उठाई। इस पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है। यदि कहीं किसानों को खाद मिलने में परेशानी हो रही है तो उसका तत्काल समाधान कराया जाएगा। उन्होंने मौके पर ही जिला कृषि अधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर आवश्यक निर्देश दिए। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की अन्य

जनसमस्याओं से भी उन्हें अवगत कराया। जिलाध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर समस्याओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान और उनकी समस्याओं का समाधान संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी के समर्थन में नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि शुकुल बाजार जनपद का अंतिम छोर होने के बावजूद जिलाध्यक्ष लगातार यहां पहुंचकर कार्यकर्ताओं का हालचाल लेते हैं और संगठन को मजबूत बनाने के लिए मार्गदर्शन देते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला, पं. राम उंजेरे शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष शंकर बक्श सिंह, रमेश शुक्ला, मीडिया विभाग के सहसंयोजक सुशील कुमार मिश्रा, डॉ. ओंकार नाथ सिंह, उदय नारायण मिश्रा, विश्व प्रकाश शुक्ला, शिव नायक सिंह, विनय चौरसिया सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तुलसीपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, बस की चपेट में आने से युवक की मौत

तुलसीपुर/बलरामपुर। तुलसीपुर क्षेत्र के हरैया चौराहे पर शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि बस की टक्कर से मोटरसाइकिल पूरी तरह चकनाचूर हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रमणीक चन्द्र त्रिपाठी (25 वर्ष), पुत्र चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, निवासी ग्राम पूरनपुर अर्जुनपुर, थाना तुलसीपुर मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान हरैया चौराहे के पास एक तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह बस की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया तथा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। हादसे में शामिल बस और उसके चालक के संबंध में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

76 शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशक अनुपस्थित, वेतन-मानदेय अग्रिम आदेश तक रोका गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिले के परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता और शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए चलाए गए विशेष निरीक्षण अभियान में बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) विकास चंद्र श्रीवास्तव ने सभी अनुपस्थित कार्मिकों का वेतन एवं मानदेय अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधित के विरुद्ध विधिक एवं विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। बीएसए द्वारा प्रेरणा पोर्टल के माध्यम से किए गए अनुश्रवण तथा 21 से 23 जून 2026 तक संचालित आकस्मिक निरीक्षण अभियान के दौरान जिले के 76 परिषदीय विद्यालयों का निरीक्षण कराया गया।निरीक्षण में कुल 76 कार्मिक अनुपस्थित मिले, जिनमें 32 सहायक अध्यापक, सात अनुदेशक तथा 37 शिक्षामित्र शामिल हैं। सभी अनुपस्थित कार्मिक बिना पूर्व सूचना के विद्यालय से अनुपस्थित पाए गए। यह निरीक्षण विभिन्न शिक्षा क्षेत्रों के खंड शिक्षा अधिकारियों घनश्याम वर्मा, शमशेर बहादुर, अशोक पाठक, विनय कुमार तथा जिला समन्वयक (डीसी) अंकुर तिवारी, निरंकार पांडे सहित अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में शैक्षिक गतिविधियों, शिक्षण व्यवस्था और विद्यार्थियों की उपस्थिति का भी जायजा लिया गया। बीएसए ने कहा कि विद्यालयों में बिना सूचना अनुपस्थित रहने की प्रवृत्ति किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी संबंधित शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों से तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। यदि निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया तो उनके विरुद्ध नियमानुसार विभागीय एवं विधिक अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय सीमा के भीतर स्पष्टीकरण उपलब्ध न कराने वाले संबंधित शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक स्वयं कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होंगे। बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण जारी रखने तथा शिक्षण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही मिलने पर तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई को विद्यालयों में अनुशासन, नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विकास खंडों में बदली जिम्मेदारी, 30 ग्राम विकास अधिकारियों के तबादले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिले में ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में तेजी लाने व प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से ग्राम विकास विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन के अनुमोदन के बाद जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार सोनी ने 30 ग्राम विकास अधिकारियों (वीडीओ) के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं। सभी अधिकारियों को बिना प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किए तत्काल नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के अनुसार बलरामपुर, हरैया सतघरवा, श्रीदत्तगंज, रेहराबाजार, पचपेड़वा, गैसड़ी, तुलसीपुर, गैड़ास बुजुर्ग और उतरौला विकास खंडों में तैनात अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है।हरैया सतघरवा से नित्यानंद सिंह, अनूप कुमार सैनी और ओमप्रकाश दूबे तथा श्रीदत्तगंज से विजय कुमार सोनकर को बलरामपुर भेजा गया है। बलरामपुर से दिनेश मिश्र, राकेश चंद चौधरी, राकेश कुमार व गुलाब चंद्र राही को हरैया सतघरवा स्थानांतरित किया गया है।

तुलसीपुर से मीनाक्षी राव व प्रदीप कुमार वर्मा हरैया सतघरवा भेजे गए हैं। रेहराबाजार से दीपक गुप्त, गैसड़ी से दिलीप कुमार व विश्वजीत यादव व बृजेश कुमार अम्दानी को पचपेड़वा में तैनाती मिली है। गैड़ास बुजुर्ग से अजय कुमार विमल और प्रभाकर मौर्य, रेहराबाजार से साहेबराम, महेश कुमार वर्मा, मोहम्मद असदुल्लाह व उतरौला से चंद्र प्रकाश भौर्य को श्रीदत्तगंज भेजा गया है। बलरामपुर से अश्विनी सिंह व विकास कुमार यादव, उतरौला से मनोरमा सिंह को रेहराबाजार, जबकि राम सुरेश, ममता गल्ल, अनिल कुमार द्वितीय, श्रीप्रकाश गुप्ता, हौसला प्रसाद, अरविंद कुमार प्रजापति व अब्दुल वहीद को भी नए विकास खंडों में तैनाती दी गई है। जिला विकास अधिकारी ने सभी बीडीओ को आदेश का तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

केवलपुर चोरी कांड का खुलासा: तीन शातिर चोर गिरफ्तार

35 हजार नकद व जेवरात बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। कोतवाली नगर पुलिस ने मई माह में केवलपुर गांव में हुई लाखों रुपये की चोरी का सफल खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 35 हजार नकद, सोने-चांदी के आभूषण तथा एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है। मामले में पुलिस ने बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आरोपियों को न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार ग्राम केवलपुर मजरा चूल्हाभारी निवासी धर्मराज तिवारी ने 13 मई को कोतवाली नगर में तहरीर देकर बताया था कि 12/13 मई की रात अज्ञात चोर उनके घर में घुसकर करीब 70 हजार नकद तथा सोने-चांदी के कीमती आभूषण चोरी कर ले गए थे। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार मिश्र के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर अलीबाग क्षेत्र स्थित आम के बाग से राजू उर्फ मिठ्ठू उर्फ ननके, पप्पू शिल्पकार तथा रमन उर्फ राजू सोनी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांव में बारात होने के कारण लोगों की व्यस्तता का फायदा उठाकर उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मकान की छत के रास्ते प्रवेश कर बक्सों व अटैचियों के ताले तोड़कर नकदी और जेवरात चोरी किए थे। चोरी की नकदी आपस में बांट ली गई थी और अधिकांश रकम खर्च कर दी गई थी। जबकि चोरी के जेवरात गलाने और बेचने के लिए रमन उर्फ राजू सोनी को सौंप दिए गए थे। शेष जेवरात और बची हुई रकम के लेन-देन के दौरान पुलिस ने तीनों को दबोच लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 35 हजार नकद, तीन जोड़ी पायल, 23 जोड़ी बिछुए, मंगलसूत्र, सोने की चेन, अंगूठी, मांगटीका, दो जोड़ी झुमकी सहित अन्य आभूषण बरामद किए हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि गिरफ्तार आरोपियों पर पहले से चोरी, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट समेत कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। वहीं घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा, सभी विभागों को समन्वय से काम करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अपर मुय सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जनपदों में स्वच्छता अभियान को गति देते हुए नालियों की नियमित सफाई, जलभराव की रोकथाम, स्वच्छ पेयजल की उपलधता तथा मच्छरजनित रोगों से बचाव के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही अभियान के दौरान किए जा रहे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचारी रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों के साथ अन्य विभागों की जिम्मेदारियों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, जलभराव का निस्तारण, फॉगिंग और एंटी लार्वा दवाओं का नियमित छिड़काव सुनिश्चित किया जाए।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए योगी सरकार द्वारा चलाए जा रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शनिवार को अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अमित कुमार घोष की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की प्रगति, विभिन्न विभागों की गतिविधियों तथा जनपदों में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों का विस्तृत आकलन किया गया। अपर मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जनपदों में स्वच्छता अभियान को गति देते हुए नालियों की नियमित सफाई, जलभराव की रोकथाम, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता तथा मच्छरजनित रोगों से बचाव के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही अभियान के दौरान किए जा रहे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचारी रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों के साथ अन्य विभागों की जिम्मेदारियों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, जलभराव का निस्तारण, फॉगिंग और एंटी लार्वा दवाओं का नियमित छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जनजागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य विभाग की टीमों के माध्यम से लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने स्वच्छता अपनाने, मच्छरों से बचाव के उपाय करने तथा रोग के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। अमित कुमार घोष ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी विभागों को अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। उन्होंने जिलों से प्राप्त प्रगति रिपोर्ट के आधार पर अभियान की नियमित समीक्षा और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विशेष सचिव रवि रंजन, धीरेन्द्र सचान, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि तथा अपर निदेशक भौतिक रूप से उपस्थित रहे, जबकि सभी जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्साधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

यूपी टी-20 मिनी ऑक्शन में खिलाड़ियों पर जमकर हुई धनवर्षा, कर्ण शर्मा बने सबसे महंगे खिलाड़ी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) द्वारा आयोजित यूपी टी-20 लीग के चौथे सीजन की मिनी नीलामी में खिलाड़ियों पर जमकर धनवर्षा हुई। आगरा के ताज कन्वेंशन सेंटर में आयोजित नीलामी में 250 से अधिक खिलाड़ियों पर बोली लगी। अनुभवी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और आईपीएल स्टार कर्ण शर्मा इस नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। पांच लाख रुपये के बेस प्राइस वाले मेरठ के कर्ण शर्मा को कानपुर सुपरस्टार्स ने 23 लाख रुपये में अपनी टीम से जोड़ा। नीलामी में दूसरी सबसे बड़ी बोली बुलंदशहर के तेज गेंदबाज शुभम गौतम पर लगी। मात्र 2.50 लाख रुपये के बेस प्राइस वाले शुभम को नोएडा किंग्स ने 21.50 लाख रुपये में खरीदा। यूपीसीए के स्पीड हंट कार्यक्रम से पहचान बनाने वाले शुभम ने इस मिनी नीलामी में सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। वहीं मेरठ के बल्लेबाज शिवम चौधरी को गौर गोरखपुर लायंस ने 21 लाख रुपये में खरीदा। इसके अलावा मोहम्मद शारिम और शिवा सिंह पर भी फ्रेंचाइजी ने बड़ा दांव खेला। दोनों खिलाड़ियों को 17.50-17.50 लाख रुपये में खरीदा गया। मोहम्मद शारिम काशी रुद्रास जबकि शिवा सिंह नोएडा किंग्स का हिस्सा बने। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला की गरिमामयी मौजूदगी में आयोजित इस मिनी नीलामी का संचालन सुप्रसिद्ध ऑक्शनर अंगद बेदी ने किया। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने युवा खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने और उन्हें अगले स्तर तक पहुँचाने में मदद करने के लिए यूपी टी20 लीग की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह यूपी टी20 लीग का चौथा संस्करण है, और पिछले तीन सीजन में इसने जो प्रभाव छोड़ा है, वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। यूपी टी-20 लीग की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन डॉ. संजय कपूर ने कहा कि यूपी टी-20 लीग हमारे लिए कभी सिर्फ एक क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं रही। शुरुआत से ही हमारा उद्देश्य उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के लिए अवसर पैदा करना और उन्हें अपने सपनों को साकार करने का मंच देना रहा है। उन्होंने बताया कि नीलामी में लखनऊ फाल्कंस ने समीर चौधरी को 11.75 लाख रुपये में खरीदा, जबकि नोएडा किंग्स ने शोएब सिद्दीकी को 11.25 लाख रुपये में अपनी टीम का हिस्सा बनाया। कानपुर सुपरस्टार्स ने यशोवर्धन सिंह व प्रियांशु पाण्डेय को 6.60 लाख रुपये में खरीदा। वहीं काशी रुद्रास ने विजय यादव को 5.20 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा, जबकि नोएडा किंग्स ने अंचित यादव को उनके बेस प्राइस पांच लाख रुपये में खरीदा। मेरठ मावेरिक्स ने करण चौधरी और कुणाल यादव को पांच-पांच लाख रुपये में अनुबंधित किया।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 48वां स्थापना दिवस समारोह संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया का 48वां स्थापना दिवस शनिवार को लखनऊ के यूथ हॉस्टल क्लब में धूमधाम से मनाया गया। समारोह के दौरान एसोसिएशन के प्रदेश, मंडल एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों का मनोनयन भी किया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन की स्थापना 25 जुलाई 1978 को इलेक्ट्रो होम्योपैथी शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। तब से संगठन देशभर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों और संस्थानों के हितों की रक्षा तथा उनके अधिकारों के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा 21 जून 2011 को जारी आदेश का भी उल्लेख किया गया। संगठन का दावा है कि वह समय-समय पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित में आंदोलन और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहा है तथा चिकित्सकों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है। एसोसिएशन के सचिव मिथिलेश कुमार मिश्रा ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों एवं शुभचिंतकों से अधिक से अधिक संख्या में संगठन की सदस्यता ग्रहण कर इसे मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन भविष्य में भी चिकित्सकों के हितों की रक्षा और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

एल्पिस ग्लोबल स्कूल में छात्र नेतृत्व एवं प्रबंधन क्षमता विकास हेतु हाउस कैबिनेट का गठन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां। बिसवां नगर के प्रतिष्ठित एल्पिस ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं प्रबंधन कौशल विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न कक्षाओं से चयनित विद्यार्थियों के हाउस कैबिनेट का गठन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जिम्मेदारी, निर्णय लेने की क्षमता तथा सामूहिक नेतृत्व का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 11 के छात्र राघव भल्ला को हेड बॉय तथा छात्रा रुश्दा फुरकान को हेड गर्ल नियुक्त किया गया। इनके साथ विभिन्न हाउसों के कैप्टन एवं अन्य पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारियां सौंपी गईं। येलो हाउस (एंटरप्राइज) की कैप्टन हिबा अंसारी के साथ शौर्य वर्मा, अमृता वर्मा, प्रांजल शर्मा एवं वैवस्वत मिश्र को नियुक्त किया गया। ग्रीन हाउस (एवोल्यूशन) की कैप्टन समृद्धि वैश्य के साथ सत्यप्रकाश, गुरसिमरन कौर, स्वप्निल शर्मा, प्रिया भल्ला एवं शिवा शुक्ल को जिम्मेदारी दी गई। रेड हाउस (एंड्यूरेंस) की कैप्टन वैशाली जैन के साथ अभिनव पटेल, मांसी वर्मा, मो. उमैद, मान्या त्रिपाठी एवं शीर्ष त्रिपाठी को नियुक्त किया गया।

वहीं ब्लू हाउस (एंडेवर) की कैप्टन हर्षिता सिंह के साथ रामांश कुमार, शानू विश्वकर्मा, स्पर्श भदौरिया, अनुकृष्णा सिद्धार्थ शौर्य एवं दीप श्रीवास्तव को हाउस गतिविधियों की जिम्मेदारी सौंपी गई।इस अवसर पर विद्यालय डायरेक्टर उमंग राजवंशी तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा उपस्थित रहीं। उन्होंने नव-नियुक्त छात्र पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय में हाउस प्रणाली विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सहयोग की भावना, जिम्मेदारी निभाने की क्षमता एवं प्रभावी प्रबंधन कौशल का विकास होता है। विद्यालय प्रबंधक श्री उमंग राजवंशी ने कहा कि छात्र पदाधिकारी विद्यालय की विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्हें अपने साथियों को प्रेरित करने, टीम के साथ कार्य करने तथा विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का अवसर मिलेगा। प्रधानाचार्या दीपा चंद्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व केवल पद प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने, दूसरों का मार्गदर्शन करने और अपने कार्यों से उदाहरण प्रस्तुत करने का नाम है। उन्होंने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों से ईमानदारी, अनुशासन एवं समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, ऊर्जा एवं गौरव से परिपूर्ण रहा। नव-नियुक्त छात्र पदाधिकारियों ने विद्यालय की गरिमा एवं हाउस भावना को बनाए रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

हर बच्चे तक न्याय पहुंचाना हमारी जिम्मेदारीः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा लागू 'चाइल्ड-फ्रेंडली लीगल सर्विसेज फॉर चिल्ड्रेन स्कीम-2024' के तहत बच्चों को निःशुल्क, सुरक्षित, सुलभ और बाल-अनुकूल विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), लखनऊ ने कहा है कि प्रत्येक बच्चे को न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना समाज और व्यवस्था की साझा जिम्मेदारी है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के प्रभारी सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि यह योजना 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों के लिए लागू है। इसके अंतर्गत विधि का उल्लंघन करने वाले बालक, देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे, बाल श्रमिक, मानव तस्करी, दुर्व्यवहार, लैंगिक हिंसा, बाल विवाह, दिव्यांग, अनाथ, परित्यक्त, गुमशुदा तथा अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में रह रहे बच्चों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

मानसिक रोग एवं बौद्धिक अक्षमता से पीड़ितों को मिलेगी निःशुल्क विधिक सहायता

लखनऊ। मानसिक रोग एवं बौद्धिक अक्षमता से ग्रसित व्यक्तियों को न्याय तक सहज और प्रभावी पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने 'लीगल सर्विसेज टू पर्सन्स विद मेंटल इलनेस एंड पर्सन्स विद इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी स्कीम-2024' लागू की है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), लखनऊ ने बताया कि इस योजना के तहत पात्र व्यक्तियों को पूरी तरह निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के प्रभारी सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य मानसिक रोग अथवा बौद्धिक अक्षमता से पीड़ित व्यक्तियों को गरिमापूर्ण जीवन, समान अवसर तथा न्याय तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है।

नीट परीक्षा में हुए पेपर लीक को लेकर जंतर मंतर में हो रहे प्रदर्शन के समर्थन में सौपा गया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर। नीट परीक्षा में हुए पेपर लीक को लेकर जंतर मंतर मैं हो रहे प्रदर्शन के समर्थन में समाजवादी पार्टी के बिसवां विधानसभा क्षेत्र मे दिग्विजय सिंह देव और सेउता विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक महेंद्र सिंह झीन बाबू के नेतृत्व में अलग-अलग महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी राहुल सिंह को सौपा और केंद्र और अलग-अलग प्रदेश सरकार के विरुद्ध जमकर नारे बाजी की समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता दिग्विजय सिंह देव के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन कार्यक्रम गुलजार शाह प्रांगण से शुरू हुआ सैकड़ो की तादाद में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो इस्तीफा दो जौहर विश्वविद्यालय नहीं गिरने देंगे अखिलेश यादव जिंदाबाद मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी इत्यादि के नारे लगाते हुए बड़े चौराहे होते हुए तहसील पहुंचे और वहां जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौपा। ज्ञापन में मांग की गई कि डीजल पेट्रोल के दाम कम किये जाए स्मार्ट मीटरों को बिना उपभोक्ताओं की जानकारी के भार ना बढ़ाया जाए पेपर लीक की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए निर्माण अधीन एवं जर्जर सड़कों को तत्काल दुरुस्त कराया जाए। तहसील क्षेत्र पंचायत और नगर पालिका विद्युत विभाग एवं अन्य सरकारी विभागों में पनप रहे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाए जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवन ध्वस्तीकरण का आदेश वापस लिया जाए। इस मौके पर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व मंत्री कमलेश यादव, ब्लाक प्रमुख शांति यादव, समाजवादी पार्टी के नेता प्रमोद वर्मा, सपा नेता अफजाल कौसर, शब्बीर नेता, माज खान, छात्र नेता श्याम यादव, मुर्तिजा अली अंसारी, विधानसभा अध्यक्ष सुनील यादव, लव कुश राजवंशी, जगतपाल यादव, उदय भान, सीताराम यादव, प्रेम यादव, निर्मल यादव, नूर नेता, के अलावा सैकड़ो की तादाद में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

-: अति अल्पकालिक निविदा सूचना :-

पत्रांक -198 दिनाँक- 23-07-2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अपोहस्ताक्षरी के अधीन फल संरक्षण अधिकारी कार्यालय, आलमबाग, लखन ?ऊ एवं मण्डल स्थित राजकीय सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों में राजकीय प्रशिक्षण कार्य हेतु प्रकाशन में प्रयोग की जाने वाली सामानों की आपूर्ति एवं निम्नलिखित कार्यों हेतु दिनाँक 05.08.2026 अपरान्ह 02:00 बजे तक पंजीकृत कार्यदायी संस्था ठेकेदार से निविदा आंमत्रित की जाती है, जो उसी दिन सायं 04:00 अधोहस्ताक्षरी एवं गठित समिति के समक्ष कार्यालय फल संरक्षण अधिकारी, आलमबाग, लखनऊ में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर निर्धारित मूल्य रू0 100/- कार्यालय में जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। अन्य जानकारी एवं शर्ते नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

क्र०सं०	सामाग्री एवं कार्य का नाम	दर
1	1-प्रवेश फार्म 15 दिवसीय, 2-प्रवेश फार्म 02 दिवसीय, 3-प्रवेश फार्म एक मासीय, 4-प्रवेश फार्म 100 दिवसीय,5-फाईल कवर प्रिन्टिग सहित,6-फ्लैक्सी स्टैण्ड 8×3 विद प्रिन्टिंग, 7-स्टूडेन्ट बैग प्रिन्टिंग सहित, 8-प्लास्टिक फोल्डर,9-प्रमाण-पत्र 2 दिवसीय, 10-प्रमाण-पत्र 15 दिवसीय, 11-प्रमाण-पत्र 100 दिवसीय,12-प्रमाण-पत्र एक मासीय,13-साहित्य सेट 2 दिवसीय,14-साहित्य सेट 100 दिवसीय,15-साहित्य सेट एक मासीय, 16-रेस्पी चार्ट,17-अन्य	

(मनोज कुमार सागर)
फल संरक्षण अधिकारी
लखनऊ

-: अति अल्पकालिक निविदा सूचना :-

पत्रांक -196 दिनाँक- 23-07-2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी के अधीन फल संरक्षण अधिकारी कार्यालय, आलमबाग, लखनऊ एवं मण्डल स्थित राजकीय सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों में राजकीय प्रशिक्षण कार्य एवं निरीक्षण हेतु किराये पर वाहन मय ईंधन व चालक सहित आवश्यकतानुसार निविदा दिनाँक 05.08.2026 अपरान्ह 03:00 बजे तक पंजीकृत कार्यदायी संस्था/ठेकेदार से निविदा आंमत्रित की जाती है, जो उसी दिन सायं 04:00 अधोहस्ताक्षरी व गठित समिति के समक्ष कार्यालय फल संरक्षण अधिकारी, आलमबाग, लखनऊ में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित हो कर निर्धारित मूल्य रू0 100/- कार्यालय में जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। अन्य जानकारी एवं शर्ते नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

क्र०सं०	वाहन किराये पर, वाहन का प्रकार	दर
1	वैगनआर	
2	स्विफ्ट डिजायर	

(मनोज कुमार सागर)
फल संरक्षण अधिकारी
लखनऊ

-: अति अल्पकालिक निविदा सूचना :-

पत्रांक -197 दिनाँक- 23-07-2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी के अधीन फल संरक्षण अधिकारी कार्यालय, आलमबाग, लखनऊ एवं मण्डल स्थित राजकीय सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्रों में राजकीय प्रशिक्षण कार्य हेतु स्टेशनरी प्रयोग की जाने वाली सामानों की आपूर्ति एवं निम्नलिखित कार्यों हेतु दिनांक 05.08.2026 सात बजे तक पंजीकृत कार्यदायी संस्था/ठेकेदार हसे निविदा अनिक्ति की जाती है, जो उसी दिन सायं 04:00 अधोहस्ताक्षरी एवं गठित समिति के समक्ष कार्यालय फल संरक्षण अधिकारी, आलमबाग, लखनऊ में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित हो कर निर्धारित मूल्य रु0 100/- कार्यालय में जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। अन्य जानकारी एवं शर्ते नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

क्र०सं०	सामाग्री एवं कार्य का नाम	दर
1	1-रजिस्टर 1 क्वायर , 2-रजिस्टर 2 क्वायर, 3-रजिस्टर 4 क्वायर, 4-पेन स्टैण्ड 2 पेन, 5-पेन स्टैण्ड 4 पेन, 6-ए-4 पेपर, 7-पिन कुशन, 8-पेपर बेट, 9-स्केल 12 ,10-कल्कुलेटर,11-गोंद, 12-गम स्टिक, 13-आलपिन डिब्बी,14-टैग,15-आलपिन यू टाईप,16-स्टैम्प पैड,17-स्टेप्लर छोठा,18-स्टेप्लर बड़ा,19-पेन पायलट,20-पेन नीला साधारण, 21-पेन लाल साधारण, 22-11-सी रजिस्टर,23-पेन बी-5, 24-पेन वी-7, 25-रिसीट-बी डिस्पैच रजिस्टर, 26-कॉपी , 27-व्हाइटनर, 28-स्कैच पैन	

(मनोज कुमार सागर)
फल संरक्षण अधिकारी
लखनऊ

संपादकीय

छोटे परिवार, बड़े संकट

देश के बहुचर्चित 'हनीमून मर्डर' केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति-पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे। संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं। विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में 'तलाक' के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है। हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। निर्मम हत्या करने वाली महिला के पति व मंगेतरों के पास प्रतिष्ठा, अचल संपत्ति व बैंक बैलेंस की कोई कमी नहीं थी। निस्संदेह, धन-सपंदा व भारी चमक-दमक से जीवन का सुख नहीं खरीदा जा सकता। संत कबीरदास ने सदियों पहले कह दिया था कि... जब आए संतोष धन सब धन धूरि समान। तभी तो तमाम समृद्धि व विलासिता के साधनों के बावजूद लोग खुश नहीं हैं। ऐसे में घातक कदम उठाने वाले महिलाओं व पुरुषों की परवरिश में भी कहीं न कहीं कोई कमी जरूर रह गई है। पहले साझे परिवारों में दादा-दादी या नाना-नानी, अपने जीवन के कठिन अनुभवों व नफे-नुकसान से हासिल ज्ञान से बेटे-बेटियों व पोते-पोतियों को सीख देते थे। जीवन मूल्यों की कहानियां सुनाया करते थे। संयुक्त परिवार में माता-पिता को किसी अप्रत्याशित झटके झेलने वाला सुरक्षा कवच माना जाता था। दुख-दर्द का मुकाबला साझे रूप में करने से वह कम महसूस होता था। घर की सुरक्षा बनी रहती थी। बूढ़ी मां भले ही शारीरिक रूप से अक्षम होती, लेकिन भरोसा बना रहता था कि घर में मां तो है। पिता तो हैं। अब जब पति-पत्नी असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिये काम पर चले जाते हैं तो घर किसके सहारे रहे? बच्चा किसके भरोसे रहे? कामवाली के? जो चंद पैसों के लिये घर में काम करने आती है। जो वहां आकर अपने घर के अभावों व दुख की तुलना इस घर की समृद्धि से करती है। वही घर के बच्चे की देखभाल के साथ अपने संस्कार भी देती है। दरअसल, आज परिवार में रिश्तों से बड़े अहम? हो गए हैं। इगो का टकराव अकसर रिश्तों के बिखराव की वजह बनता है। कोई झुकने को तैयार नहीं होता है तो परिवार को टूटने से कौन रोकेगा? जाहिर है जो बात पति-पत्नी के बीच नहीं बनी, वो कोर्ट-कचहरी में क्या बनेगी? अलगाव का त्रास मनमुटाव से ज्यादा भयावह होता है। तभी तो अदालतों में तलाक की अर्जियों की संख्या दिन-दुगनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही है।

जल संकट का असंतुलित प्रबंधन अस्तित्व पर मंडराता खतरा

हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उार भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है।

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है। इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है।भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया। जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बर्बादी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रत्येक परिवार प्रतिदिन कुछ लीटर पानी भी बचाए तो राष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों लीटर जल की बचत संभव है। सरकार को भी जल प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। प्रत्येक जिले के लिए भूजल बजट तैयार किया जाए, भूजल दोहन पर वैज्ञानिक नियंत्रण हो, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों-ड्रिप और स्प्रिंकलर-को व्यापक प्रोत्साहन मिले तथा ऐसे कृषि अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए जो कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली किस्में विकसित करे। साथ ही जल शिक्षा को विद्यालयों के पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी जल के महत्व को केवल पुस्तकों में नहीं, व्यवहार में भी समझ सके। भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हमारे पास आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त जल बचेगा? यदि आज भी हमने जल को केवल उपभोग की वस्तु समझा तो आने वाले वर्षों में जल के लिए संघर्ष, पलायन और सामाजिक असंतोष बढ़ना स्वाभाविक होगा। खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होगा, महंगाई बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा संकट आएगा। इसलिए जल संरक्षण केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक शांति का भी प्रश्न है। आज समय की पुकार है कि 'जल बचाना ही भविष्य बचाना है।' हमें बदलती जलवायु के अनुरूप अपनी नीतियों, कृषि प्रणाली और जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन लाने होंगे। वर्षा की प्रत्येक बूंद को धरती में उतारना, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना और जल अनुशासन को जन-आंदोलन बनाना ही इस संकट का सबसे प्रभावी समाधान है। यदि सरकार, वैज्ञानिक, किसान, उद्योग, सामाजिक संगठन और आम नागरिक मिलकर इस दिशा में संकल्पबद्ध प्रयास करें तो जल संकट को अवसर में बदला जा सकता है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी विवशता बन जाएगा।

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रुवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्चं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें।

मेष- मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन अपेक्षा से अधिक परिश्रम कराने वाला रह सकता है। कार्यों को पूरा करने में मेहनत अधिक करनी पड़ेगी, जबकि परिणाम उम्मीद से कुछ कम मिल सकते हैं। सामाजिक और परोपकारी कार्यों में आपकी भागीदारी बढ़ सकती है, जिससे सम्मान भी मिलेगा।

वृषभ-वृषभ राशि के लोगों के लिए आज व्यापार और कार्यक्षेत्र में गतिविधियां तेज रहने की संभावना है। अनुभवी और प्रभावशाली लोगों के सहयोग से रुके हुए कार्य आगे बढ़ सकते हैं। प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्रों में मेहनत के बाद सफलता मिलने के योग हैं। आर्थिक पक्ष पहले की तुलना में बेहतर रहेगा।

मिथुन-मिथुन राशि के जातकों को आज कुछ ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है जिनकी पहले से कल्पना नहीं की गई थी। कार्यस्थल पर संयम और समझदारी से काम लेना लाभदायक रहेगा। नए लोगों पर तुरंत भरोसा करने से बचें और हर निर्णय सोच-समझकर लें।

कर्क-कर्क राशि के लिए आज का दिन अध्ययन और ज्ञान से जुड़े कार्यों में व्यावहारिक सोच अपनाने का संकेत दे रहा है। विद्यार्थियों को व्यवहारिक विषयों में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। व्यापार में साहसिक निर्णय लाभ पहुंचा सकते हैं। यदि यात्रा की योजना बना रहे हैं तो उसे कुछ समय के लिए टालना बेहतर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

सिंह-सिंह राशि के जातकों के लिए आज प्रभाव और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे होने से राहत मिलेगी और आर्थिक लाभ की संभावना भी बन सकती है। नए लोगों से परिचय भविष्य में लाभदायक साबित हो सकता है।

कन्या-कन्या राशि के लोगों का अधिकांश समय पारिवारिक और शुभ कार्यों में व्यतीत हो सकता है। सामाजिक और जनहित से जुड़े कार्यों में सक्रियता आपकी प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से बचना बेहतर रहेगा।

तुला-तुला राशि के जातकों के लिए आज वास्तविक परिस्थितियों पर ध्यान केंद्रित करना अधिक लाभदायक रहेगा। कल्पनाओं के बजाय व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने से सफलता मिलने की संभावना बढ़ेगी। अपनी प्रतिभा और अनुभव का सही उपयोग करें। किसी भ्रम या असमंजस में निर्णय लेने से बचें।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि के लोगों के लिए आज सरकारी कार्यों और व्यवसाय से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से रुके हुए कार्य भी उचित प्रयासों से आगे बढ़ सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी और आपसी विश्वास मजबूत होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी रणनीति सफलता दिला सकती है।

धनु-धनु राशि के जातकों को आज नकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से दूरी बनाए रखना उचित रहेगा। भावनात्मक संबंधों से सहयोग और मानसिक संबल मिलेगा। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी, अन्यथा बजट प्रभावित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में धैर्य बनाए रखें। स्वास्थ्य सामान्य रह सकता है, लेकिन थकान महसूस होने की संभावना रहेगी।

मकर-मकर राशि के लोगों के लिए आज का दिन उद्योग और तकनीकी कार्यों से जुड़े क्षेत्रों में लाभ देने वाला हो सकता है। वरिष्ठों और अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा, जिससे महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे होंगे। नए संबंध भविष्य में उपयोगी साबित हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज कार्यक्षमता बढ़ाने की आवश्यकता महसूस होगी। जिम्मेदारियां अधिक रहने से व्यस्तता बनी रहेगी। नई योजनाओं और नीतियों पर काम करने का अवसर मिल सकता है। संतान से जुड़े किसी विषय को लेकर चिंता हो सकती है, लेकिन धैर्य से स्थिति संभल जाएगी। आर्थिक मामलों में संतुलित निर्णय लाभदायक रहेंगे।

मीन-मीन राशि के लोगों के लिए आज का दिन भावनात्मक संतुष्टि देने वाला हो सकता है। पुराने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम व्यवसाय और कार्यक्षेत्र में दिखाई देगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है। आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति प्राप्त होगी।

न्याय नहीं, प्रतिशोध का माध्यम बनते कार्यस्थल

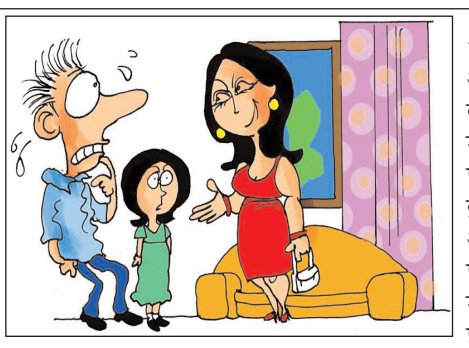

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने वैवाहिक विवादों के एक चिंताजनक पक्ष पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत-पत्र भेजने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। न्यायालय ने कहा कि ऐसी शिकायतों के परिणामस्वरूप कई बार संबंधित व्यक्ति की नौकरी चली जाती है या उसका सेवा-जीवन गंभीर रूप से प्रभावित होता है। न्यायालय के अनुसार, तलाक का मुकदमा लड़ना एक अलग बात है, किंतु किसी व्यक्ति की आजीविका और पेशेवर प्रतिष्ठा को संकट में डाल देना कहीं अधिक गंभीर है। यदि किसी व्यक्ति की नौकरी ही समाप्त हो जाए, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव भरण-पोषण (मेंटेनेंस) जैसे वैधानिक दायित्वों पर भी पड़ सकता है। पिछले पांच दशकों में विभिन्न उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि वैवाहिक विवादों के दौरान पति या पत्नी द्वारा एक-दूसरे के नियोक्ता अथवा वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अप्रमाणित अथवा मानहानिकारक शिकायतें करना केवल व्यक्तिगत प्रतिशोध का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सेवा-जीवन और आजीविका पर भी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालयों ने समय-समय पर ऐसे आचरण को मानसिक क्रूरता के दृष्टिकोण से परखा है तथा परिस्थितियों के अनुसार इसे वैवाहिक संबंध-विच्छेद का आधार भी माना है। इस संबंध में सबसे प्रारंभिक और उल्लेखनीय निर्णयों में से एक 'शकुंतला कुमारी बनाम ओम प्रकाश घई' (दिल्ली उच्च न्यायालय, 1980) का है।इस मामले में अलग रह रही पत्नी ने लोकसभा सचिवालय, जहां उसका पति कार्यरत था, को पत्र लिखकर उस पर दुर्व्यवहार तथा अन्य गंभीर आरोप लगाए। न्यायालय ने पाया कि यदि पत्नी का उद्देश्य केवल भरण-पोषण प्राप्त करना था, तो उसके लिए यह कहना पर्याप्त था कि उसे भरण-पोषण नहीं मिल रहा है। इसके लिए पति तथा उसके परिवार के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाने की आवश्यकता नहीं थी। न्यायालय ने इस प्रकार की शिकायतों के प्रभाव पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'नियोक्ता के समक्ष इस प्रकार की असत्य शिकायत करना निस्संदेह मानसिक क्रूरता है। इससे कर्मचारी की अपने नियोक्ता की दृष्टि में प्रतिष्ठा धूमिल होती है तथा उसके सेवा-जीवन और पदोन्नति की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। स्वाभाविक रूप से इसका उसके मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है और उसकी मानसिक शांति भंग होती है।'

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

योग व स्वास्थ्य जागरूकता के लिए योग प्रशिक्षक सम्मानित

देवरिया। योग एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए योग प्रशिक्षक पिंटू लाल यादव को मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि योग प्रशिक्षकों के निरंतर प्रयास और सोशल मीडिया के माध्यम से किए जा रहे प्रचार-प्रसार से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है तथा नियमित योग अपनाने की प्रेरणा मिल रही है। सीडीओ ने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली के लिए दैनिक जीवन में योग को शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नियमित योग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. जयराम यादव, होम्योपैथिक अधिकारी डॉ. संजय सिंह तथा कार्यक्रम प्रबंधक गौरव शाही की देखरेख में जनपद में योग संबंधी गतिविधियों के संचालन की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक जितेंद्र दीक्षित, ममता तिवारी, अमन मिश्रा, गिरिजा शंकर विश्वकर्मा, शाहीन फातिमा, शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य प्रशिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में योग के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प दोहराया गया।

लाभार्थियों को वितरित हुए प्रमाण पत्र व सहायक उपकरण

देवरिया। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सलेमपुर तहसील सभागार में सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान कल्याणकारी शिविर आयोजित किया गया। समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, प्रोबेशन एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र और सहायक उपकरण वितरित किए गए। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमरेश सिंह ने लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंदों तक सीधे सहायता पहुंचाना है। शिविर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने 10 दिव्यांगों को कान की मशीन, छड़ी और स्वीकृति प्रमाण पत्र दिए। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने 'ओ' लेवल कंप्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त 10 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। समाज कल्याण विभाग ने 15 वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए, जबकि समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 30 छात्र-छात्राओं को स्वीकृति प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम में समाजसेवी श्याम बहादुर सिंह, शिवाकांत तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। वक्ताओं ने योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। अंत में सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

शत-प्रतिशत नामांकन के लिए डीएम ने ग्राम प्रशासकों से किया अपील

देवरिया। जिले में स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने और आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों की नियमित उपस्थिति के लिए जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सभी ग्राम प्रशासकों से सक्रिय सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। इसी उद्देश्य से संचालित अभियान के तहत कक्षा 1 से 8 तक प्रत्येक बच्चे का शत-प्रतिशत नामांकन और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, स्कूल बैग, जूते-मोजे, स्वेटर, स्टेशनरी, मध्याह्न भोजन और स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने ग्राम प्रशासकों से घर-घर संपर्क कर सभी पात्र बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने और छोटे बच्चों की आंगनबाड़ी केंद्रों पर नियमित उपस्थिति बढ़ाने का आह्वान किया। साथ ही विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित अनुश्रवण करने, शिक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सहयोग करने तथा कायाकल्प अभियान के सभी 19 मानकों के अनुरूप सुविधाएं सुनिश्चित कराने की भी अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि जनसहभागिता से देवरिया शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल होगा।

फार्म स्कूल/कृषक के खेत पर किसानों का प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। फार्म स्कूल कृषकों का चयन कर उनके प्रक्षेत्र पर खेती की नई विधा द्वारा कृषकों को जागरूक किया जाता है। फसलों की विभिन्न चार अवस्थाओं पर प्रगतिशील कृषकों के प्रक्षेत्र पर 25 कृषकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उस प्रशिक्षण में किसानों को जागरूक करने के साथ फार्म स्कूल में उगायी गयी फसलों के उपज का आकलन किया जाता है। फार्म स्कूल का मुख्य उद्देश्य कृषि की नयी तकनीकि को अधिक से अधिक कृषकों तक पहुंचाना है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के खरीफ मौसम में आयोजित जनपद के समस्त 18 फार्म स्कूलों में प्रशिक्षण हेतु नोडल नामित किया गया है, जिनके द्वारा फार्म स्कूल के प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया जा रहा है। समस्त नोडल अधिकारियों द्वारा कृषि व कृषि से सम्बन्धित अन्य योजनाओं के बारे में प्रशिक्षण में

प्रतिभागी कृषकों को जानकारी दी जा रही है।

जनपद के विकास खण्ड टाण्डा के अन्तर्गत ग्राम-पियारेपुर में जिला प्रोबेशन अधिकारी, अम्बेडकरनगर एवं उप कृषि निदेशक, अम्बेडकरनगर के द्वारा प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित कृषकों को फार्म स्कूल से सम्बन्धित जानकारी के साथ-साथ अन्य कृषि निवेश, उर्वरक, बीज, कीटनाशी के उपयोग आदि के बारे में जानकारी दी गयी। डी0एस0आर (धान की सीधी बुवाई) के लाभ के बारे में बताया गया, डी0एस0आर0 विधि से खेती करने पर बीज उर्वरक एवं पानी की बचत होती है जिससे खेती में 30 प्रतिशत तक लागत कम हो जाती है साथ ही साथ फसल के उत्पादन में कोई कमी नहीं होती है। प्रशिक्षण में उपस्थित कृषकों द्वारा बताया गया कि पियारेपुर गाँव में 30-40 हेक्टेयर में धान की सीधी बुवाई की गयी है। इसी प्रकार जनपद के समस्त चिन्हित 18 फार्म स्कूलों पर नामित नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागी कृषकों को डीएसआर विधि से खेती की बारीकियों/तकनीकी आदि से अवगत कराया गया तथा विभिन्न योजनाओं आज की जानकारी प्रदान की गई।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, छह बाइक बरामद; 10 घटनाओं का खुलासा

देवरिया। जिले की कोतवाली पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक आरोपी और चार विधि-विरुद्ध बालकों को गिरफ्तार कर चोरी की छह मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपित विभिन्न स्थानों से बाइक चोरी कर उन्हें कसया ढाला मालगोदाम के पास छिपाते थे और मौका मिलने पर बिहार में बेच देते थे। पूछताछ में आरोपितों ने पांच अन्य चोरी के वाहन बिहार में बेचने की बात भी स्वीकार की है।

पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई से कोतवाली और भाटपाररानी थाना क्षेत्र में दर्ज वाहन चोरी की कुल 10 घटनाओं का सफल अनावरण हुआ है। आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पांडेय तथा क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस और जनपदीय एंटी थेफ्ट टीम ने यह कार्रवाई की।

नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने किया लोकार्पण

दो स्काई लेडर, दो डम्पर व दो सीवर सेफ्टी मशीनें मिलीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पडरौना (कुशीनगर)। नगर पालिका परिषद पडरौना के जलकल भवन परिसर में शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने नगर के विकास एवं जनसुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्राप्त नये वाहनों और आधुनिक मशीनों का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके बाद इन संसाधनों को नगर सेवा के लिए समर्पित किया गया। नगर पालिका को दो स्काई लेडर वाहन, दो कूड़ा लोडिंग डम्पर तथा दो सीवर सेफ्टी मशीनें प्राप्त हुई हैं। इन आधुनिक संसाधनों के शामिल होने से नगर की स्वच्छता व्यवस्था, सीवर सफाई कार्य और आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं तेज गति से संचालित किया जा सकेगा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में पडरौना नगर लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक से लैस इन वाहनों और मशीनों के संचालन से सफाई व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी तथा कर्मचारियों की कार्यक्षमता और सुरक्षा में भी वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद भविष्य में भी जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाते हुए पडरौना को स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित नगर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी। कार्यक्रम में सभासद अनिल जायसवाल, मोनू सिंह, श्याम साहा, रामआश्रय गौतम, छोटेलाल कुशवाहा, गोलू, महेंद्र चौधरी, मनोज सिंह, बृजेश शर्मा, सन्नी मिश्रा, राजेश जायसवाल, संतोष चौहान, मंथन सिंह, मृतुंजय दीक्षित, अनिल पाण्डेय, भोला साहा, अजय शर्मा सहित नगर पालिका परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाढ़ की स्थिति पर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क, नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष, लखनऊ से प्राप्त बाढ़ अलर्ट के अनुसार बाराबंकी जनपद के एल्गिन ब्रिज पर सरयू (घाघरा) नदी का जलस्तर खतरे के निशान 106.070 मीटर को पार कर 106.130 मीटर दर्ज किया गया है, जो खतरे के स्तर से 0.060 मीटर ऊपर है तथा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने की प्रवृत्ति में है। उक्त सूचना के दृष्टिगत जनपद में संभावित बाढ़ से संबंधित तहसीलों, पुलिस, सिंचाई, राजस्व, स्वास्थ्य, पशुपालन एवं अन्य विभागों को हाई अलर्ट पर रखते हुए बाढ़ संभावित क्षेत्रों की सतत निगरानी की जा रही है। राहत एवं बचाव कार्यों हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा स्थानीय प्रशासन को संवेदनशील गांवों में निरंतर भ्रमण एवं निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने बाढ़ संभावित क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं का ही पालन करें। नदी, नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों के समीप अनावश्यक रूप से न जाएं तथा जलमग्न सड़कों या पुलों को पार करने का प्रयास न करें।

बाढ़ से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियां:

» नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

» प्रशासन द्वारा चिन्हित सुरक्षित स्थानों एवं राहत शिविरों में आवश्यकतानुसार पहुंचें।

» बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

» बिजली के खंभों, खुले तारों एवं जलमग्न विद्युत उपकरणों से दूर रहें।

» आवश्यक दवाइयां, पेयजल, सूखा खाद्यान्न आदि सुरक्षित रखें।

» किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन, पुलिस अथवा संबंधित नियंत्रण कक्ष को सूचना दें।

जिला प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपेक्षा करते हुए आश्वस्त किया है कि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है।

जंतर मंतर जाने से पहले पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दिलीप मौर्य हाउस अरेस्ट

सहजनवा, गोरखपुर। दिल्ली के जंतर मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रस्तावित छात्र-युवा प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली कूच की तैयारी कर रहे पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दिलीप कुमार मौर्य को हरपुर बुदहट पुलिस ने उनके आवास पर ही हाउस अरेस्ट कर लिया। बताया गया कि मौर्य ने सोशल मीडिया के माध्यम से समर्थकों के साथ दिल्ली जाने का आह्वान किया था। इसकी जानकारी मिलने पर देर रात भारी पुलिस बल उनके आवास पर पहुंच गया और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया। हाउस अरेस्ट के दौरान दिलीप कुमार मौर्य ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन छात्रों और युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई से वे पीछे हटने वाले नहीं हैं और अवसर मिलने पर समर्थकों के साथ जंतर मंतर पहुंचकर आंदोलन में शामिल होंगे। घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई, जबकि पुलिस की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं स्वास्थ्य संबंधित अधिकारी- अध्यक्ष

अध्यक्ष राज्य महिला आयोग ने जिला महिला चिकित्सालय की सुविधाओं का निरीक्षण किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, डॉ0 बबिता सिंह चौहान ने आज अपने जनपद भ्रमण के दौरान जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष द्वारा दवा काउंटर, पर्चा काउंटर , वजन जांच मशीन, लिफ्ट, रैम्प, प्रसूति वार्ड और आपातकालीन कक्ष व संबंधित रजिस्टर का निरीक्षण किया। अध्यक्ष के निरीक्षण के दौरान लिफ्ट बंद पाई गई सीएमओ ने बताया कि लिफ्ट संचालक तैनात न होने के कारण लिफ्ट सेवा बाधित है। अध्यक्ष ने सीएमओ को लिफ्ट संचालक के संबंध में तत्काल कार्यवाही कराने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने इस दौरान अस्पताल में मौजूद जीवन रक्षक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता की जानकारी ली तथा भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधा संवाद कर अस्पताल में मिल रहे भोजन, दवाइयों और डॉक्टरों के व्यवहार के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा जिला चिकित्सालय जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान तीमारदारों व मरीज़ों को फल वितरण एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के

अन्तर्गत आयोजित कन्या जन्मोत्सव का कार्यक्रम में भाग लिया गया, जिसके अन्तर्गत जिला चिकित्सालय में जन्मी बालिकाओं एवं उनके माता पिता को सम्मानित करते हुये फल एवं बेबी किट का वितरण किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है, लेकिन कुछ कतिपय कर्मचारियों की वजह से मरीजों और तीमारदारो को परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है, प्राइवेट अस्पतालों से बेहतर सुविधाएं मौजूद हैं। इसके उपरान्त वन स्टॉप सेन्टर अम्बेडकरनगर एवं जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। जिला कारागार के निरीक्षण के समय अध्यक्ष महोदया द्वारा वृक्षारोपण भी कराया गया और साथ ही जिला कारागर में 02 पावरलूम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए समर्पित किया गया।

इसके उपरान्त अध्यक्ष ने सर्किट हाउस में

विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जनसुनवाई के माध्यम से 18 महिलाओं की समस्यायें सुनी गयी। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके उपरान्त उ0प्र0 बाल सेवा योजना कोविड के लाभार्थियों को लेपटॉप, निराश्रित महिला पेंशन, कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सहायक श्रमायुक्त, उपायुक्त स्वतः रोजगार, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, थानाध्यक्ष महिला थाना एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाइक के एक लाख रुपये बने हत्या की वजह, तीन दिन में खुला ब्लाइंड मर्डर केस

दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस अभिरक्षा में बाल अपचारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। बेलीपार थाना क्षेत्र में मिले अज्ञात शव के सनसनीखेज हत्याकांड का गोरखपुर पुलिस ने मात्र तीन दिन के भीतर पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार करते हुए एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, घटना में इस्तेमाल की गई बाइक, मृतक के पास से लूटी गई सोने की चेन, अंगूठी, लॉकेट तथा 6,595 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 22 जुलाई को बेलीपार थाना क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया था। शव की पहचान होने के बाद मृतक के पुत्र ने पिता की हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर दी, जिसके आधार पर थाना बेलीपार में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बांसगांव के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष राजकुमार बरवार के नेतृत्व में बेलीपार पुलिस, एसओजी, स्वाट, सर्विलांस और एंटी थेफ्ट सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिरों की सूचना और गहन पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए अंशू दुबे निवासी बुधनापार थाना सिकरीगंज तथा प्रिन्स पाण्डेय निवासी मलांव थाना बेलीपार को गिरफ्तार कर लिया। मामले में शामिल एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने मृतक से बाइक खरीदने के नाम पर करीब एक लाख रुपये लिए थे। जब मृतक लगातार अपनी रकम वापस मांगने लगा तो आरोपियों ने अपने अन्य साथी के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रच डाली। हत्या के बाद आरोपियों ने मृतक के

शरीर पर मौजूद सोने के आभूषण और नकदी भी अपने कब्जे में ले ली, ताकि घटना को लूट का रूप दिया जा सके। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू, दोपहिया वाहन, एक सोने की चेन, अंगूठी, लॉकेट तथा नकदी बरामद कर ली। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में बीएनएस की अतिरिक्त धाराएं भी बढ़ा दी हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य पहलुओं की भी गहन जांच जारी है। इस त्वरित कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

अयोध्या की नौ सदस्यीय धार्मिक आयोजन समिति में संत डॉ. रामानंद दास शामिल, दक्षिणांचल में खुशी की लहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में धार्मिक आयोजनों के सुचारु संचालन के लिए गठित नौ सदस्यीय समिति में रामकथा कुंज के पूज्य संत डॉ. रामानंद दास जी महाराज को सदस्य बनाए जाने पर गोरखपुर के दक्षिणांचल क्षेत्र, विशेषकर उनके पैतृक गांव मिश्रौली (थाना गगहा) में हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों, श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमियों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

बाल्यकाल में अपनाया संत जीवन

मूल रूप से मिश्रौली गांव निवासी डॉ. रामानंद दास जी महाराज ने बाल्यकाल में ही सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग कर संत परंपरा को अपनाया और स्वयं को धर्म, संस्कृति एवं समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया। श्रीमद्भागवत कथा, रामकथा और आध्यात्मिक प्रवचनों के माध्यम से उन्होंने देश-विदेश में विशिष्ट पहचान बनाई है।

धर्म और संस्कृति के संरक्षण में अहम योगदान

वैदिक संस्कृति, सनातन परंपराओं और

मिश्रौली गांव से निकलकर देश-विदेश में बनाई आध्यात्मिक पहचान, क्षेत्रवासियों ने जताया गौरव

धार्मिक आयोजनों के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में उनके योगदान को संत समाज में विशेष सम्मान प्राप्त है। रामचरितमानस और श्रीमद्भागवत के मर्मज्ञ के रूप में उनकी अलग पहचान है। समिति में उनके चयन पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल डॉ. रामानंद दास जी महाराज का ही नहीं, बल्कि पूरे गोरखपुर जनपद का सम्मान है। लोगों ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से अयोध्या के धार्मिक आयोजन और अधिक सुव्यवस्थित एवं गरिमामय होंगे।

पुलिस पर पीड़ित ने लगाया सुविधा शुल्क का आरोप, एसपी से की शिकायत

लालगंज, प्रतापगढ़। दो पक्षों मे कहासुनी को लेकर पुलिस द्वारा पीड़ित के बेटे की रिहाई के नाम पर सुविधा शुल्क के आरोप को लेकर एसपी से शिकायत की गयी है। लीलापुर थाना क्षेत्र के रसूलपुर गुलरहा निवासी बाल मुकुन्द वर्मा पुत्र कन्हई ने एसपी को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि 22 जुलाई को गांव में पड़ोसियों से कहासुनी हो गयी। इसकी सूचना पाकर लीलापुर पुलिस मौके पर पहुंची। आरोप है कि पुलिस ने पीड़ित के बेटे को थाने ले जाकर लाकप में डाल दिया। इसके बाद पीड़ित से इलाकाई दरोगा पर पांच हजार रूपये के सुविधा शुल्क की मांग का शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है। पीड़ित का कहना है कि रूपया देने के बाद भी पुलिस ने उसके बेटे का शांति भंग में चालान कर दिया। पीड़ित ने एसपी से इंसाफ की गुहार की है।

वायरल वीडियो बना अहम साक्ष्यः विवाहिता की मौत के बाद पति और सास पर मुकदमा, गोला में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला- गोरखपुर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पति पर जबरन जहर देने और सास पर मारपीट का आरोप लगाने वाली विवाहिता तराना खातून (32) की मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अंतिम संस्कार के दौरान मायके पक्ष के हंगामे और गिरफ्तारी की मांग के बाद गोला पुलिस ने मृतका की मां की तहरीर पर पति और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। परिजनों के अनुसार आजमगढ़ जिले के रौनापार थाना क्षेत्र के कादीपुर गांव निवासी जहरून निशा ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी बेटी तराना खातून की शादी वर्ष 2010 में गोला नगर पंचायत के टीचर कॉलोनी निवासी नाजिम अली उर्फ मन्नू से हुई थी। शादी के बाद से ही पति और सास लालमुन्नी उसे लगातार प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि पति शराब का आदी था और आए दिन विवाद व मारपीट करता था।

तहरीर के मुताबिक 27 जून की शाम पति और सास ने तराना के साथ मारपीट की और उसे कथित रूप से जहरीला पदार्थ दे दिया। हालत बिगड़ने पर उसे पहले गोरखपुर के सावित्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में परिजन उसे आजमगढ़ ले गए, जहां कई अस्पतालों में इलाज चला। स्थिति गंभीर होने पर लखनऊ के मेडीवेल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 17 जुलाई को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद 19 जुलाई को शव गोला लाया गया। मृतका के अंतिम संस्कार के दौरान मायके पक्ष के करीब 50 महिला-पुरुष ससुराल पहुंच गए और पति व सास की गिरफ्तारी की मांग करते हुए अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली और दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया। इसके बाद मृतका की मां की तहरीर पर बीएनएस की धारा 85, 115(2) और 108 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। इस पूरे मामले में सबसे अहम कड़ी वह वायरल वीडियो माना जा रहा है, जिसे तराना ने अपनी मौत से पहले बनाया था।

वीडियो में उसने पति पर जबरन जहर पिलाने और सास पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। परिजनों ने इस वीडियो को पुलिस को उपलब्ध कराते हुए इसे महत्वपूर्ण साक्ष्य बताया है। गोला थाना प्रभारी सीपी पाण्डेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वायरल वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार गया

प्रतापगढ़। वादी द्वारा दर्ज कराए गए अभियोग के अनुसार 12 जून को अभियुक्त एवं उसके साथियों द्वारा वादी की सास समीना बानो के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी, डंडे एवं लोहे की राड से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था, जिसके संबंध में थाना लीलापुर पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। थाना लीलापुर पुलिस द्वारा पंजीकृत मुकदमा से संबंधित वांछित अभियुक्त कलीम पुत्र इलियास निवासी ग्राम परमेश्वरपुर दुल्हेपुर, थाना लीलापुर, जनपद प्रतापगढ़ को मुखबिर की सूचना पर मिसिरपुर तिराहा से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

पचीस हजार का ईनामिया धराया, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। दुष्कर्म व पास्को एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे ईनामिया बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। सांगीपुर थाने के उप निरीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार शुक्रवार को सुबह पुलिस बल के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर शाहबरी तिराहा के पास से दुष्कर्म व पास्को एक्ट के मुकदमे मे वांछित पचीस हजार के ईनामिया बदमाश पचखरा निवासी मकदूम कोरी पुत्र स्व0 दुर्बली कोरी को धर दबोचा। एसओ गौरव त्रिवेदी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये आरोपी को जेल भेज दिया गया।

दहेज में आर्टिका कार और पांच लाख की मांग का आरोप

विवाहिता से मारपीट; पति समेत छह पर मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला-गोरखपुर जिले के ग़ोला में दहेज के मांग में आर्टिका कार और पांच लाख रुपये की अतिरिक्त पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर गोला थाना पुलिस ने पति सहित छह लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गोला उपनगर के वार्ड संख्या छह निवासी एक महिला ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसका निकाह 21 अप्रैल 2025 को सिद्धार्थनगर जिले के बांसी थाना क्षेत्र के निराला नगर निवासी युवक के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। विवाह के समय मायके पक्ष ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार करीब छह लाख रुपये नकद, 100 ग्राम सोने और 300 ग्राम चांदी के आभूषणों के अलावा घरेलू उपयोग का अन्य सामान भी दिया था।

पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति, सास, ससुर, देवर और ननद ने दहेज में आर्टिका कार तथा पांच लाख रुपये अतिरिक्त लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। मांग पूरी न होने पर उसके साथ गाली-गलौज, मानसिक उत्पीड़न और मारपीट की जाने लगी। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि पति ने कई बार उसके बाल पकड़कर बेरहमी से मारपीट की और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। प्रताड़ना से परेशान विवाहिता ने घटना की जानकारी अपने मायके पक्ष को दी। इसके बाद परिजन ससुराल पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच समझौते का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि ससुराल पक्ष अपने रवैये पर कायम रहा और दहेज की मांग लगातार करता रहा। महिला का कहना है कि 4 सितंबर 2025 को उसे उसके भाई के साथ जबरन मायके भेज दिया गया। इसके बाद भी पति और अन्य ससुरालीजन मोबाइल फोन तथा रिश्तेदारों के माध्यम से आर्टिका कार और पांच लाख रुपये की मांग करते रहे तथा मांग पूरी न होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देते रहे। मामले को गंभीरता से लेते हुए गोला थाना पुलिस ने पति समेत छह नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 85, 115(2), 352 और 351(3) के साथ-साथ दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 की धारा 3 और 4 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी सीपी पाण्डेय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

कामैस्टिक दुकान का ब्लाक प्रमुख ने किया उद्घाटन सम्मानित

बरेली/ विकासखंड भदपुरा के ब्लॉक प्रमुख ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार ने क्यों लड़िया में कामैस्टिक दुकान का फीता काटकर उद्घाटन किया इसके उपरांत दुकान के स्वामी पीर मोहम्मद के पुत्र दीन मोहम्मद ने ब्लॉक प्रमुख को भगवा शाल उड़ाकर सम्मानित किया। इस दुकान से लोगों को आवश्यक मेकअप का सामान एवं गिफ्ट आदि उत्तम क्वालिटी के उचित रेट पर मिलना प्रारंभ होंगे ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार द्वारा उद्घाटन के बाद उन्होंने कहा जनता को सौंदर्य का सामान खरीदने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा साथ ही दुकान संचालक से भी कहा आप ग्राहकों के साथ उचित व्यवहार करें। ताकि आपका व्यापार समुचित रूप से चल सके और इसका लाभ यहां के लोगों को प्राप्त हो इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख रवि शंकर गंगवार शैलेंद्र गंगवार प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप गंगवार आजम कोटेदार अखलाक अहमद एडवोकेट सुमित कुमार संजीव कुमार मुखिया पीर मोहम्मद समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

लक्ष्य के प्रति समर्पण है सफलता की कुंजी- आशु निरंजन

कोंच(जालौन)- मथुरा प्रसाद महाविद्यालय में शुक्रवार को एबीवीपी के तत्वाधान में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार के अवसरों और व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पुत्र आशु निरंजन उपस्थित रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री सोमू तथा प्रो. भूपेंद्र त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन रामजी अग्रवाल ने किया। वक्ताओं ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही मार्गदर्शन, कौशल विकास और लक्ष्य के प्रति समर्पण सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी रुचि के अनुसार कैरियर का चयन करने, समय का सदुपयोग करने तथा निरंतर अध्ययन और आत्मविश्वास बनाए रखने का आह्वान किया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार के नए अवसरों और करियर की संभावनाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। छात्रों ने अपने कैरियर से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने सरल और व्यावहारिक तरीके से समाधान प्रस्तुत किया। इस दौरान विकास पटेल धनौरा, जिला विस्तारक हनी अग्रवाल, कर्मवीर, प्रशांत पाटकार, अमन कुशवाहा, मुकेश यादव, कीर्त श्रीवास्तव, विशाखा प्रजापति, तान्या, ऋषिका, तपस्या, रूपेश सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सपा ने किया सद्बुद्धि महायज्ञ

मंत्रिमंडल की सद्बुद्धि के लिए सपा ने किया सद्बुद्धि महायज्ञ, शिक्षा मंत्री के बर्खास्तगी की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर द्वारा महानगर कार्यालय में प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल की सद्बुद्धि के लिए सद्बुद्धि महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने की। महायज्ञ में विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन कराया। इस अवसर पर हाजी फजल महमूद ने कहा कि नीट (NEET) सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए पेपर लीक और दिल्ली में अपनी जायज़ मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज ने केंद्र सरकार की छात्र विरोधी मानसिकता को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। समाजवादी पार्टी छात्रों के सम्मान, उनके अधिकारों और बेहतर शिक्षा व्यवस्था की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए तथा छात्रों की सभी जायज़ मांगों को शीघ्र स्वीकार किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते उचित निर्णय नहीं लिया तो समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से अपने आंदोलन को और तेज़ करेगी। उन्होंने बताया कि यह सद्बुद्धि महायज्ञ सरकार को चेतावनी देने और देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की रक्षा के संकल्प के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,प्रदेश सचिव के. के. शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव 'मिन्टू, महासचिव संजय सिंह 'बंटी सेंगर',नंदलाल जयसवाल,परमवीर सिंह गंभीर,महेन्द्र सिह,सजल कुशवाहा, मेराज, कीर्ति अग्निहोत्री,जस्वेन्द्र प्रताप निषाद, सलमान शेख मंसूरी सहित सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घरेलू कलह से आहत विवाहिता ने निगला जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

तिलहर, शाहजहांपुर। एक विवाहिता ने शुक्रवार शाम घरेलू कलह से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सीएचसी प्रशासन ने पुलिस को अवगत कराया। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। फिलहाल महिला का मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। क्षेत्राधिकारी विदुष सक्सेना ने बताया कि महिला द्वारा जहरीला पदार्थ खाने की सूचना प्राप्त हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डंपर ने युवक को कुचला, मौत

पांच सौ मीटर तक बाइक घसीटते हुए ले गया, डंपर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना घाटमपुर क्षेत्र अंतर्गत कानपुर सागर हाइवे पर बाइक सवार युवक को सामने से टक्कर मारते हुए कुचल दिया हादसे के बाद डंपर में फंसीं बाइक को चालक पांच सौ मीटर दूर तक घसीटता हुआ ले गया,, लोगों को पीछा करते देख चालक डंपर छोड़ कर मौके से भाग निकला, जबकि बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई,,और बाइक के परखच्चे उड़ गए,, राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस युवक के परिजनों को सूचना देने के बाद,शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है,हादसा दोपहर पौने बारह बजे पर घाटमपुर के पतारा क़स्बे के पास हुआ,, आपको बताते चलें कि सजेती थाना क्षेत्र के कोरिया गांव निवासी 26 वर्षीय अतुल शुक्रवार दोपहर पौने बारह बजे पर बाइक लेकर कानपुर जा रहें थें, घाटमपुर थाना क्षेत्र के कानपुर सागर हाइवे पर स्थित पतारा क़स्बे के पास बरनाव गांव के मोड़ के पास पहुंचे तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी,, हादसे के बाद बाइक डंपर के नीचे फंस गई, डंपर चालक बाइक को घसीटते हुए पांच सौ मीटर दूर तक ले गया, लोगों को पीछा करते देख, चालक डंपर छोड़ कर मौके से भाग निकला,, राहगीरों ने फ़ोन कर घटना की जानकारी पुलिस को दी,, मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पुलिस घटना की जांच कर रही है,, घाटमपुर थाने के क्राइम इंस्पेक्टर खुर्शीद अहमद ने बताया कि सूचना मिली थी परिजनों को सूचना देकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है , तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने विवादित स्थलों पर की सख्त कार्रवाई

पिछले साल के विवादों के बाद लोगों को एक लाख के मुचलके पर पाबंद किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ क्योंलडिया पुलिस ने श्रावण मास में होने वाली कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पिछले वर्ष दो स्थानों पर हुए विवादों को देखते हुए इस बार शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। गत वर्ष भदपुरा की ग्राम पंचायत करुआ साहिबगंज में रास्ते को लेकर विवाद हुआ था, जिसे शांत कराने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। इसी तरह, कटैया आत्माराम में भी कावड़ियों पर पथराव की घटना सामने आई थी। इन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, क्योलाडिया के प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह ने बताया कि इस बार करुआ साहिबगंज में दोनों समुदायों के लोगों को एक लाख रुपये के मुचलके पर पाबंद किया गया है। इसी प्रकार, कटैया आत्माराम में भी तीन लोगों को मुचलके पर पाबंद किया गया है। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कावड़ यात्रा लेकर आने वाले श्रद्धालुओं को जलाभिषेक करने में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। जलाभिषेक के समय पर्याप्त पुलिस बल भी मजबूती से तैनात रहेगा। प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह ने चेतावनी दी कि यदि किसी ने भी यात्रा में व्यवधान डालने की कोशिश की, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसे उसकी आने वाली पीढ़ियां भी याद रखेंगी।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने सुनीं जनसमस्याएं

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई। जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए। उन्होंने जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

चंदुर्रा की गौशाला शिफ्ट करने गए अधिकारियों को झेलना पड़ा ग्रामीणों का विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- ग्राम चंदुर्रा की गौशाला को पिंडारी गांव शिफ्ट करने गए ब्लॉक के अधिकारियों को ग्रामीणों का विरोध झेलना पड़ा। ग्रामीण गौशाला को लेकर हंगामा काटने लगे जिसके चलते अधिकारियों को वापस लौटना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि गांव का प्रधान न होने के कारण गौशाला की व्यवस्थाओं में परेशानी सामने आ रही है। जिसके चलते अधिकारियों के आदेश पर गौशाला को शिफ्ट किया जा रहा था। कोंच विकास खंड क्षेत्र के चंदुर्रा गांव की गौशाला का इस समय बुरा हाल है। क्योंकि गांव के प्रधान को सजा होने के बाद गौशाला संचालन में परेशानियां हो रही है। शुक्रवार को उच्चाधिकारियों के आदेश पर गौशाला को पिंडारी गांव की गौशाला में शिफ्ट करने के लिए एडीओ पंचायत देवीशरण सोनी व सचिव पूनम राजपूत मौके पर पहुंची तो तमाम ग्रामीणों गौशाला के गेट पर एकत्र होकर विरोध जताया और गौशाला में एकत्रित गौवंशों की बदहाल स्थिति व अव्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। ग्रामीणों ने कहा कि गौशाला की देखभाल करने की जहां उसे दूसरे गांव में शिफ्ट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से गौशाला की जाली टूटी हुई पड़ी है जिससे गौवंशों की सुरक्षा खतरे में बनी हुई है, साफ सफाई से लेकर भूसा, चारा, पानी की भी समुचित व्यवस्था नहीं है और बार-बार शिकायत करने पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि गौशाला को स्थानांतरित करने के बजाय यही पर इसकी सही से देखभाल की जाए और व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जाएं। करीब एक घंटे तक चले हंगामे के दौरान माहौल तनावपूर्ण बना रहा। जिसके चलते एडीओ पंचायत देवीशरण सोनी व ग्राम पंचायत सचिव पूनम राजपूत को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा और उन्हें बगैर किसी निर्णय के बैरंग ही वापस लौटना पड़ा। उधर, ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि गौवंशों की देखभाल और गौशाला की व्यवस्थाओं में जल्द सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

'आज के बच्चे, कल का भविष्य'— एस. दुरई कुमार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर, ग्रामीण। नवाचार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक विद्यालय में नवनिर्मित नर्सरी कक्षा का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एनयूपीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री एस. दुरई कुमार द्वारा नवनिर्मित नर्सरी कक्षा का उद्घाटन कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) प्रसून राय, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कौशिक भर, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा, शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

नवनिर्मित नर्सरी कक्षा को बालकों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक अधिगम तथा आनंददायी शिक्षण वातावरण को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। यह कक्षा बच्चों में सीखने की जिज्ञासा, सृजनात्मकता एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें विद्यालयी वातावरण से सहज रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अपने उद्बोधन में एस. दुरई कुमार ने कहा कि ,बच्चों को प्रारंभ से ही गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा के साथ प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यालय के इस अभिनव प्रयास की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। साथ ही अपने व्यस्ततम कार्यक्रम के बावजूद विद्यालय पहुँचकर उन्होंने शिक्षकों के समर्पण एवं नवाचारी प्रयासों की प्रशंसा की तथा उन्हें भविष्य में भी उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की त्रैमासिक ई-पत्रिका 'एड्यूस्फियर' का भी लोकार्पण किया गया, जिसमें विगत तीन माह के दौरान आयोजित शैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के साथ-साथ विद्यार्थियों की उपलब्धियों एवं प्रगति को आकर्षक रूप से संकलित किया गया है।

प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा ने परियोजना के सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ,नर्सरी कक्षा और 'एड्यूस्फियर' दोनों ही विद्यार्थियों के समग्र विकास, रचनात्मक अभिव्यक्ति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं।

यूथ कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष सूरज शर्मा तीसरे दिन भी हाउस अरेस्ट, बताया अलोकतांत्रिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पेपर लीक और निर्दोष छात्रों पर दिल्ली पुलिस की बर्बरता व लाठीचार्ज को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा 21 जुलाई को प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना दिया गया था। जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं को हिरासत में ले लिया था। जिसके विरोध में पूरे देश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया था। अपने नेता राहुल गांधी के समर्थन में कानपुर से कांग्रेस के कई नेता 21 जुलाई की रात दिल्ली जाने की योजना बना रहे थे। जिसमें कानपुर यूथ कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष पंडित सूरज शर्मा को रावतपुर थाने की पुलिस ने 21 जुलाई की रात में ही उनके शारदा नगर आवास पर ही हाउस अरेस्ट कर लिया। सूरज शर्मा तबसे लगातार हाउस अरेस्ट चल रहे हैं। पुलिस उनको दिल्ली नहीं जाने दे रही है। लगातार तीसरे दिन हाउस अरेस्ट के चलते सूरज शर्मा के कई समर्थक उनके आवास पहुंचे। सूरज शर्मा ने लगातार तीन दिन से हाउस अरेस्ट को मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता का हनन बताया। उन्होंने कहा जहां एक ओर केंद्र सरकार तानाशाही कर निर्दोष छात्रों पर लाठीचार्ज करवाकर संविधान और लोकतंत्र का गला घोंट रही है। छात्रों को शांतिपूर्ण ढंग से समर्थन देना और उनके लिए न्याय की बात करना अपराध है। दिल्ली जाने से रोके जाने पर उन्होंने इसे अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक करार दिया और कहा कि यह स्थिति केवल मेरी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

हाईवे किनारे खड़े 364 वाहनों पर कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया । अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया । इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 364 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की गई है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

पुलिस ने घायल गोवंश का कराया उपचार, गौशाला पहुंचाया

सुरियावां। थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-731 स्थित जोधराज तालाब के पास शुक्रवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक गोवंश (बैल) गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही सुरियावां पुलिस मौके पर पहुंची और पशु चिकित्सकों को बुलाकर उसका प्राथमिक उपचार कराया। इसके बाद जेसीबी और पिकअप वाहन की सहायता से घायल गोवंश को सुरक्षित निकटवर्ती गौशाला पहुंचाया गया, जहां उसके उपचार और देखभाल की व्यवस्था की गई। राहत कार्य में उपनिरीक्षक मोहम्मद शकील, हेड कांस्टेबल पंकज यादव तथा कांस्टेबल चंदन की सक्रिय भूमिका रही। मौके पर मौजूद राहगीरों और बाद में पहुंचे कुछ सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी सहयोग किया। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए इसे मानवीय पहल बताया।

फिरोजाबादः ताला बंद घर में महिला का खून से लथपथ शव मिला

लूट के बाद हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। ताला बंद घर में महिला का खून से लथपथ शव मिलने से सनसनी फैल गई। बेटे की सूचना पर पहुंची पुलिस तोड़कर अंदर घुसी तो एक कमरे में जमीन पर महिला का लहूलुहान शव पड़ा था। सिर में पीछे और गले पर चोट के निशान थे। कमरे में पंखे के कुंदे में दो दुपट्टा बंधे हुए थे। घर के अंदर आलमारी खुली पड़ी थी और बिखरा पड़ा था। आशंका है कि लूट के बाद महिला की हत्या कर बदमाश बाहर से ताला बंद कर भाग निकले। वहीं पड़ोसियों ने बताया कि गुरुवार सुबह 11 बजे उनके घर दो संदिग्ध व्यक्ति जाते हुए दिखे थे। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। मक्खनपुर में रेलवे स्टेशन रोड निवासी रामवकील स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्ट थे। वर्ष 2016 में उनकी हत्या हो गई। इसके बाद उनकी जगह इकलौते बेटे अभय प्रताप उर्फ सिद्धांत को स्वास्थ्य विभाग में नौकरी मिल गई। वर्तमान में वह खैरगढ़ सीएचसी पर पयर्वेक्षण अधिकारी वैक्सीन के पद पर तैनात हैं। वह पत्नी और बच्चों के साथ राजा का ताला स्थित फ्लैट में रहते हैं। उनकी 48 वर्षीय सरोज देवी दो मंजिला मकान में अकेले रहती थीं। नीचे के हिस्से में किराएदार रहते थे। वह कुछ दिन पहले कमरा खाली कर चले गए। इसकी वजह से वह अकेले ही थीं। गुरुवार शाम को सरोज दूध लेने नहीं गई तो उनके परिचित रेनू ने फोन किया। फोन नहीं उठा। शुक्रवार दोपहर एक बजे पड़ोस में रहने वाली पूजा ने सरोज को सुबह से बाहर नहीं देखा तो फोन किया लेकिन कॉल नहीं उठी। तब

पूजा ने उनके बेटे अभय को फोन कर बताया। वह पहुंचे और घर के बाहर ताला बंद देख पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस ताला तोड़कर अंदर घुसी। अंदर एक कमरे में जमीन पर सरोज का खून से लथपथ शव पड़ा था। सीओ शिकोहाबाद शेखर सेंगर मौके पर पहुंच गए। सीओ ने बताया कि महिला के सिर और गले में चोट के निशान हैं। प्रारंभिक जांच में लूट जैसी बात सामने नहीं आई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु की वजह स्पष्ट होगी।

साढ़े तीन लाख रुपए की वसूली करने वाले दो सिपाही लाइन हाजिर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। घाटमपुर, आईपीएस अफसर के नाम पर घाटमपुर निवासी व्यापारी से साढ़े तीन लाख रुपए की वसूली करने वाले दो सिपाहियों को पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने लाइन हाजिर कर दिया, पुलिस ने गुरुवार रात करीब 11बजे कारवाई की,, पीड़ित का आरोप है कि चरस तस्कर का रिश्तेदार होने की बात कहते हुए सिपाहियों ने पैसे न देने पर जेल भेजने की धमकी दी थी, पैसा न देने पर सिपाहियों ने एक युवक को आईपीएस अफसर बताते हुए उसे धमकाया,,और रूपए ऐंठ लिए,एक सिपाही,साउथ जोन में दूसरा सिपाही वेस्ट जोन में तैनात थें, कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के निर्देश पर मादक पदार्थों के खिलाफ आपरेशन व्हाइट पाउडर चलाया जा रहा था,जिसकी कमान एडीसीपी साऊथ व आपरेशन सुमित सुधाकर रामटेके के पास हैं,, पुलिस कमिश्नर ने बताया कि करीब 15 दिन पूर्व जोन के सिपाही कमल और वेस्ट जोन के सिपाही ब्रजेश ने चरस तस्कर के व्यापारी रिश्ते दार घाटमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथ पुर गांव निवासी धारासिंह को फोन पर धमकाया था ,कहा था कि साढ़े तीन लाख रुपए दे दो वरना उसे भी चरस तस्करी के आरोप में जेल भेज दिया जाएगा,व्यापारी धारासिंह से दोनों सिपाहियों ने लगातार दो तीन दिन बात की, इसके बाद उन्होंने देखा कि धमकाने के बावजूद व्यापारी रूपए नहीं दे रहा है, तों उन्होंने एक युवक को एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके बताते हुए व्यापारी से फ़ोन पर बात कराई,,जिस पर डरे सहमें व्यापारी ने सिपाहियों की डिमांड पूरी कर दी, इसके बाद व्यापारी ने मामले की शिकायत डीजीपी कार्यालय में की, मामला संज्ञान में आते ही पुलिस कमिश्नर ने दोनों सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया है।

सपा विधायक के 24 घंटे के सत्याग्रह का समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। नीट परीक्षा पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग और दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने सत्याग्रह समाप्त कर दिया है। फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा पर 24 घंटे का सत्याग्रह प्रस्तावित था, लेकिन पुलिस द्वारा कार्यक्रम की अनुमति न देने और बैरिकेडिंग किए जाने के कारण गांधी प्रतिमा पर सत्याग्रह नहीं हो सका। इसके बाद अमिताभ बाजपेई अपने साथियों के साथ अपने आवास पर ही 24 घंटे का सत्याग्रह किया और छात्रों के हक एवं न्याय की आवाज को बुलंद किया। सत्याग्रह के समापन के उपरांत महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम संबोधित ज्ञापन एडीसीपी अर्चना सिंह जी को सौंपा। सपा विधायक ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि नीट पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच कर सभी दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो और परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाया जाए। जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज एवं बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। नीट पेपर लीक एवं उससे उत्पन्न मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं के परिजनों को उचित आर्थिक मुआवजा एवं सरकारी सहायता दी जाए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दें।

मॉर्निंग वॉक पर निकले बुजुर्ग का कांच से रेता गला, सड़क किनारे खून से लथपथ मिला शव

बरेली। मार्निंग वाक पर निकले बुजुर्ग की गला काटकर हत्या कर दी गई। हाईवे पर खून से लथपथ उनका शव मिला। प्रथम दृश्य यह हादसा लग रहा था लेकिन, गले पर निशान देखकर हत्या की बात कही जा रही है। शव के पास से कांच के कई टुकड़े भी मिले हैं। आशंका है की कांच से ही बुजुर्ग का गला काटा गया है। पुलिस के अनुसार, भोजीपुरा के धौराटांडा निवासी सियाराम श्रीवास्तव शुक्रवार सुबह करीब छह बजे घर से टहलने के लिए निकले थे। कुछ देर बाद कस्बे से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर धौराटांडा-बीबियापुर रोड पर उनका शव सड़क पर पड़ा मिला। शरीर, सीने, गले और सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और मौके पर काफी खून भी फैला हुआ था। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा आसपास कांच के टुकड़े भी पड़े थे। गले पर भी काटने का निशान था। आशंका है की सियाराम के साथ पहले मारपीट की गई, फिर उसी कांच से उनकी गर्दन को काटा गया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्यारोपित सड़क किनारे ही उनका शव फेंक कर फरार हो गए। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। सीओ हाईवे देवेंद्र सिंह का कहना है कि यह हादसा प्रतीत नहीं हो रहा। प्रथम दृश्य हत्या की आशंका है।

संक्षिप्त खबरें

युवक ने पंखे के सहारे फांसी लगाकर दी जान

चुनार, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के सेटेलमेंट एरिया मुहल्ले में स्थित कांशीराम आवासीय कालोनी में बृहस्पतिवार की रात एक युवक ने पंखे के सहारे फंदे से लटककर अपनी जान दे दिया। रजनीश कुमार 21पुत्र राजदेव प्रसाद बृहस्पतिवार की रात 9.30 बजे खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह परिजन उठने के बाद युवक को जगाने के लिए आवाज दिए लेकिन कोई जबाब नही मिलने पर दरवाजे को धक्का दिया न खुलने पर खिड़की से देखा तो युवक फंदे के सहारे लटकता नजर आया जिसे देख परिवार में रोना पीटना मच गया और अगल बगल के लोग भी इकट्ठा हो गए। युवक के बड़े भाई नवनीत कुमार ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और और शव को अपने कब्जे लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को दिए गए तहरीर में भाई नवनीत ने कहाकि उसका छोटा भाई रजनीश मानसिक रूप से अवसाद में था, बृहस्पतिवार की रात खाना खाकर कमरे में वह सोने चला गया सुबह फंदे से लटकता मिला। मृतक थाना गोपालगंज जनपद प्रयागराज का मूल निवासी था।

ई-साक्ष्य ऐप पर विवेचकों को दिया गया प्रशिक्षण

ज्ञानपुर। पुलिस लाइन ज्ञानपुर के सभागार में शुक्रवार को 'ई-साक्ष्य' ऐप के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुआ, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल एवं क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर चमन सिंह चावड़ा की मौजूदगी में जनपद के विभिन्न थानों के विवेचकों को डिजिटल साक्ष्य संकलन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सौरभ तिवारी ने लाइव डेमो के माध्यम से बताया कि घटना स्थल से ऑडियो, वीडियो और फोटो को सीधे ई-साक्ष्य ऐप पर सुरक्षित अपलोड कर साक्ष्यों की विश्वसनीयता बनाए रखी जा सकती है। उन्होंने विवेचकों की तकनीकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में डिजिटल साक्ष्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, इसलिए सभी विवेचक नई तकनीक को अपनी कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाएं। वहीं, सीओ ज्ञानपुर चमन सिंह चावड़ा ने प्रशिक्षण को विवेचना की गुणवत्ता और पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

नैनो डीएपी (तरल) के प्रयोग का प्रक्षेत्र प्रदर्शन, किसानों को दी वैज्ञानिक खेती की जानकारी

भदोही। विकास खंड ज्ञानपुर के ग्राम कंसापुर में शुक्रवार को नैनो डीएपी (तरल) आधारित प्रक्षेत्र प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी इरम की मौजूदगी में किसान काशी पाल के एक एकड़ धान के खेत में नैनो डीएपी के उपयोग का प्रदर्शन कराया गया। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को बताया कि नैनो डीएपी के प्रयोग से फसल की प्रारंभिक वृद्धि बेहतर होती है तथा पोषक तत्वों की उपयोग दक्षता बढ़ती है। जड़ शोधन और बीज शोधन के बाद रोपाई या बुवाई करने से जड़ों का विकास अच्छा होता है, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार होता है। उन्होंने किसानों से मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाने और नैनो उर्वरकों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग करने की अपील की। इस दौरान किसानों को इफको नैनो यूरिया प्लस (500 मि.ली.) का अधिकतम खुदरा मूल्य 225 रुपये तथा इफको नैनो डीएपी (500 मि.ली.) का अधिकतम खुदरा मूल्य 600 रुपये प्रति बोतल होने की जानकारी भी दी गई।

25 दिनों से फुंका पड़ा 10 केवी ट्रांसफॉर्मर, 100 मीटर विद्युत केबल भी क्षतिग्रस्त

» भीषण गर्मी में बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीण
» विभागीय लापरवाही या उदासीनता 25 दिनों बाद भी नहीं बदला गया ट्रांसफॉर्मर, ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। विद्युत उपकेंद्र खरगूपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरिया कला में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पंचायत भवन के पास स्थापित 10 केवी का ट्रांसफॉर्मर पिछले लगभग 25 दिनों से खराब पड़ा है। ग्रामीणों द्वारा स्थानीय विद्युत उपकेंद्र पर कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला गया है, जिससे क्षेत्र के उपभोक्ता भीषण गर्मी और उमस के बीच गंभीर बिजली संकट झेलने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से बिजली आपूर्ति ठप रहने के कारण घरों में अंधेरा पसरा हुआ है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, दैनिक घरेलू कार्य बाधित हैं और लोगों को पेयजल सहित अनेक आवश्यक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान न होने से विभाग के प्रति ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसी स्थान के समीप स्थापित दूसरे 10 केवी ट्रांसफॉर्मर से जुड़ी लगभग 100 मीटर विद्युत केबल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जर्जर केबल के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने के साथ-साथ कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने जनहित एवं सुरक्षा को देखते हुए केबल को तत्काल बदलवाने की भी मांग की है। इस गंभीर समस्या को लेकर पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता बृजभूषण तिवारी ने मुख्य अभियंता, देवीपाटन मंडल, विद्युत विभाग को प्रार्थना-पत्र भेजकर खराब ट्रांसफॉर्मर एवं क्षतिग्रस्त विद्युत केबल को तत्काल बदलवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों की परेशानियां और बढ़ेंगी तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

इस संबंध में मुख्य अभियंता, देवीपाटन मंडल, यदुनाथ राम से बातचीत की गई। उन्होंने बताया कि देवरिया कला में ट्रांसफॉर्मर एवं क्षतिग्रस्त विद्युत केबल की समस्या उनके संज्ञान में है। संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए खराब ट्रांसफॉर्मर को शीघ्र बदलवाने तथा क्षतिग्रस्त विद्युत केबल को भी प्राथमिकता के आधार पर बदला जाएगा। विभाग का प्रयास है कि जल्द से जल्द निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति बहाल कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की जाए।

ग्राम चौपाल का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

सीखड़ , शुक्रवार को सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देश के अनुसार प्रत्येक शुक्रवार को विकास खण्ड के 2 ग्राम पंचायतों मे जन चौपाल का आयोजन कर जन समस्या सुनने के क्रम मे विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बगहा व गोरईया में खण्ड विकास अधिकारी श्री राम जी मिश्रा सेवायोजन अधिकारी के प्रतिनिधि प्रधान सहायक बृजेंद्र राय गोरईया में की अध्यक्षता मे ग्राम चौपाल मे आये विभागीय अधिकारियों , कर्मचारियों द्वारा अपने अपने विभाग से संचालित योजनाओ की जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा उनसे योजनाओं का लाभ लेने का अनुरोध किया गया। तथा अध्यक्षो द्वारा चौपाल मे आये ग्रामीणों के समक्ष ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये कार्यो को पढ़ कर सुनाया गया तथा दोनों ग्राम पंचायत में 5 शिकायत पत्र प्राप्त हुए जिसे सुनकर मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।ग्राम चौपाल कार्यक्रम में एडीओ एजी रोहित सिंह ग्राम सचिव सुधीर दुबे, उमेश यादव ग्राम मुख्य सेविका रेनू मौर्या प्रधान/ प्रशासक अश्विनी कुमार मिश्रा एवं प्रधान/प्रशासक कुंजन सरोज और आंगनबाड़ी कार्यकत्री नीलम पांडेय, साक्षी पांडेय, गीता सिंह, सबिता देवी, नीतू सिंह तथा कृषि विभाग, पशुपालन स्वास्थ विभाग की एनएम विनिता सिंह, प्रियदर्शनी सिंह, आशा बहू तथा अन्य विभागों के कर्मचारी तथा सैकड़ों की संख्या में दोनों ग्राम पंचायतों की जनता उपस्थित रही।

उरुवा में न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

● दौड़, कबड्डी, खो-खो समेत विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मेजा, प्रयागराज। बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता शुक्रवार को विकास खंड उरुवा के विभिन्न संकुलों में उत्साहपूर्वक आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें ब्लॉक व जिला स्तर तक पहुंचने का अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा वरुण मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और टीम भावना का विकास करते हैं तथा जमीनी स्तर के ऐसे आयोजन ही 'खेलो इंडिया' के सपने को साकार करने में सहायक हैं।

ब्लॉक व्यायाम शिक्षक एवं नोडल मानिक चंद्र सिंह के निर्देशन में शुक्लपुर, बैदौली, रामनगर और लेहड़ी संकुलों में दौड़, लंबीकूद, ऊंचीकूद, गोला फेंक, कुश्ती, कबड्डी और खो-खो सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। प्रतियोगिता के सफल संचालन में खेल अनुदेशक चंद्रशेखर भारतीया, घ्यान सिंह, शबनम खां, अर्जुन सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह, मधुबाला पटेल, जितेंद्र कुमार और उदय प्रताप का विशेष सहयोग रहा। संकुल प्रभारी अशोक यादव, संपूर्णानंद गुप्ता, संतलाल, पुष्कर द्विवेदी, राजेश कोलहा और अखिलेश दुबे ने अपने-अपने न्याय पंचायतों में प्रतियोगिताओं का निष्पक्ष एवं सफल संचालन कराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रधानाध्यापक, शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अभिभावक उपस्थित रहे और प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार,मिर्जापुर। नवयुवक अधिवक्ता समिति के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ता सदस्यो ने नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर शान्तिपूर्ण तरीके से आन्दोलन कर रहे छात्रो पर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किये जाने के विरोध मे शुक्रवार को कचहरी परिसर मे नारे बाजी करते हुए चक्रमण किया। नीट पेपर लिक होने और केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से त्यागपत्र दिये जाने सहित अन्य मांगो को लेकर महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अनेग सिह को सौपा। ज्ञापन मे कहा गया है कि नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर छात्र सरकार की नितियो के विरुद्ध अपनी असहमति शान्ति पूर्ण ढंग से दर्ज करा रहे थे उन पर अकारण किया गया बल प्रयोगइन मौलिक अधिकारो पर क्रूर प्रहार तथा एक स्वस्थ्य लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है।अधिवक्ताओ ने कहा कि हम केवल न्यायालयो तक सिमित नही रख सकते संविधान के संरक्षण एवं नागरिक अधिकारो की रक्षा करना भी हमारा दायित्व है। इसदौरान बार अध्यक्ष शिव शंकर सिंह एड, उपाध्यक्ष राम मूरत यादव एड, महामंत्री रामविलास सिंह एड, संयुक्त मंत्री अविनाश गुप्ता एड, शिवअचल मौर्या एड, अखिलेश सिंह एड, शिवशंकर यादव एड, शीतला प्रसाद यादव एड, गजेंद्र सिंह एड, गोविंद त्रिपाठी एड, राहुल सिंह एड, गुरदास एड, शैलेन्द्र दुबे एड, सीमा एड, जय जायसवाल एड,अमरनाथ यादव एड, सुरेंद्र सिंह एड, रामलखन सिंह यादव एड, मनोज यादव एड, रामनिहाल सिंह एड, निखिल सिंह एड, सुनीता यादव एड, सहित बडी संख्या मे अधिवक्ता मौजूद रहे।

जनता दर्शन में डीएम ने अधिकारियों को लगाई फटकार

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने भूमि विवाद, पैमाइश, नामांतरण, वरासत, अवैध कब्जा, पेंशन, राशन कार्ड, आवास एवं अन्य जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही फार्मर रजिस्ट्री शत-प्रतिशत पूर्ण कराने तथा फैमिली आईडी का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दर्शन के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) शुभांगी शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यकर्ता आधारित संगठन है भाजपा- अवधेश द्विवेदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंबेडकर नगर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय अटल भवन में मुख्य अतिथि भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी की उपस्थिति तथा भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव की अध्यक्षता में डीएलपी अभियान, दीर्घकालिक चलने वाले संगठनात्मक अभियानों, संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जिसकी शक्ति बूथ स्तर का कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा कि डीएलपी अभियान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक कार्यकर्ता को घर-घर जाकर केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के विचार सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का संदेश देते हैं। उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जयंती कार्यक्रम पूरे उत्साह के साथ मनाए जाएं। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता के साथ सुनने की अपील की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने कहा कि संगठन द्वारा दिए गए प्रत्येक कार्यक्रम को कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी समझकर सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि डीएलपी अभियान, गुरु रविदास जयंती और 'मन की बात' कार्यक्रम संगठन को समाज के प्रत्येक वर्ग से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से समयबद्ध योजना के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करने तथा अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करे। संचालन सुरेश कन्नौजिया जिला महामंत्री ने किया। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक जय राम विमल, ब्लाक प्रमुख संजय सिंह, संजय सिंह, जिला उपाध्यक्ष मनोज मिश्र, रमेश चंद्र गुप्ता, डॉ रजनीश सिंह, विमलेंद्र प्रताप सिंह मोनू, सुमन पाण्डेय,जिला महामंत्री बाबा राम शब्द यादव, जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय, जिला मंत्री चंद्रिका प्रसाद, संजय सिंह, विनय पाण्डेय, पंकज वर्मा, सुनील पासवान, मनीष मिश्र, शाश्वत मिश्र, अंजू पाण्डेय,संतोष सिंह, आनंद श्रीवास्तव, श्रीकांत कन्नौजिया, सागर संगवानी, अंकित अग्रहरि, अंकित मंडेला आदि शामिल रहे।

श्रावण मास के पर्वो को सकुशल संपन्न कराने हेतु प्रशासन प्रशासन ने कसी कमर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आगामी श्रावण मास के दौरान पड़ने वाले प्रमुख पर्वो एवं धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मेडिकल कॉलेज सदरपुर के ऑडिटोरियम में जिलाधिकारी श्रीमती ईशा प्रिया की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक सुश्री प्राची सिंह व अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में कानून-व्यवस्था एवं तैयारियों की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रावण मास के दौरान शिवालयों, मंदिरों एवं कांवड़ मार्गो पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, अग्निशमन, पशु चिकित्सा, सड़क मरम्मत तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग पूर्ण सतर्कता एवं तत्परता बनाए रखें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर कमियों को तत्काल दूर किया जाए तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मार्गो के किनारे स्थित विद्युत खंभों तथा ट्रांसफार्मरों पर विद्युत सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा झुके विद्युत खंभों एवं ढीले तारों को ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नगर निकायों में रोजाना कूड़े का उठान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कावड़ यात्रा के दौरान शिविर स्थलों पर साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने हेतु समस्त अधिशासी अधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को उनके क्षेत्र में पढ़ने वाले मंदिरों पर साफ सफाई के साथ ही फिसलन को रोकने हेतु प्रभावी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। खाद्य सुरक्षा विभाग को खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता सुनिश्चित रखना हेतु नियमित प्रवर्तन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, नियमित गश्त तथा सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी डीजे संचालकों को पुलिस विभाग द्वारा जारी निर्देशों एवं शर्तो का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नदी के घाटों पर प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ जल सुरक्षा हेतु नाविक, नाव एवं गोताखोर की मौके पर उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, अधिशासी अधिकारी, विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग, पशुपालन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक व डीजे संचालक आदि उपस्थित रहे।

रामगढ़ रोड ओवरब्रिज की समस्या सुलझाने में जुटा प्रशासन

जिलाधिकारी के निर्देश पर अधिकारियों ने किया संयुक्त निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश–जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में रामगढ़ रोड़ स्थित निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज के समीप आमजन एवं वाहनों के आवागमन में हो रही असुविधा के निस्तारण हेतु तहसीलदार सदर अमित सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों की समस्याओं का संज्ञान लेते हुए मौके पर ही निर्माण एजेंसी के साथ विस्तृत वार्ता की गई तथा आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्णय लिए गए। 100 मीटर लंबा एवं 5 मीटर चौड़ा लिंक मार्ग बनेगा, गुरुवार तक कार्य पूर्ण किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान यह निर्णय लिया गया कि रेलवे स्टेशन के मुख्य मार्ग से 100 मीटर लंबा एवं 5 मीटर चौड़ा वैकल्पिक लिंक मार्ग तत्काल तैयार कराया जाएगा। निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि गुरुवार तक लिंक मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। साथ ही यह भी तय किया गया कि जब तक लिंक मार्ग तैयार नहीं हो जाता, तब तक रेलवे ओवरब्रिज के पूर्वी हिस्से में कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा, जिससे आमजन के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। रोड़ पर केवल हल्के वाहन यानी दो पहियां व चार पहिया वाहन जाने की अनुति रहेगी।

जिलाधिकारी ने समस्या के निराकरण हेतु कराई प्रभावी कार्रवाई

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनसामान्य से प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर स्थलीय निरीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। लिंक मार्ग तैयार होने के बाद दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों का आवागमन और सुगमता से हो सकेगा तथा स्थानीय नागरिकों को आवागमन में हो रही असुविधा से राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री गो-संवर्धन योजना के तहत ई-लॉटरी से 28 लाभार्थियों का हुआ चयन

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश– शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री गो-संवर्धन योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के चयन हेतु ई-लॉटरी का आयोजन किया गया। योजना के लिए प्राप्त 506 आवेदनों में से ऑनलाइन एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से 28 लाभार्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री गो-संवर्धन योजना प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए उनकी आय एवं जीवन स्तर में वृद्धि करना है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को शासन द्वारा निर्धारित वित्तीय सहायता एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि ई-लॉटरी के माध्यम से चयनित लाभार्थियों के अभिलेखों का परीक्षण पूर्ण होने के उपरांत शीघ्र ही उनके खातों में धनराशि हस्तांतरित की जाएगी। साथ ही प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में भविष्य में प्राप्त आवेदनों के आधार पर पुनः ई-लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया भी संचालित की जाएगी।

पॉक्सो एक्ट में दोषसिद्ध अभियुक्त को 15 साल की सजा

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश– विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) / अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सोनभद्र ओमकार शुक्ला ने सत्र परीक्षण संख्या 279/2025, राज्य बनाम रमाशंकर में अभियुक्त रमाशंकर पुत्र स्व. शिवभजन, निवासी ग्राम बेलहत्थी टोला पिरहवा, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र को दोषसिद्ध ठहराते हुए कठोर कारावास एवं अर्थदण्ड से दंडित किया। अभियोजन के अनुसार, दिनांक 26 जनवरी 2025 को अभियुक्त ने नाबालिग पीड़िता के साथ अश्लील हरकत एवं बलात्कार की घटना कारित की। पीड़िता की छोटी बहन के विरोध करने पर उसको रेलवे ट्रैक पर जान मारने की धमकी देते हुए धक्का दे दिया जिससे उसका दाहिना पैर पंजे के ऊपर से कटकर अलग हो गया और उसे गंभीर चोटें आईं। इस संबंध में थाना हाथीनाला पर मुकदमा अपराध संख्या 3/2025 पंजीकृत हुआ। विवेचना के दौरान पीड़ितागण का चिकित्सीय परीक्षण, आयु संबंधी अभिलेख, एफएसएल रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया।

विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से कुल 12 साक्षियों का परीक्षण कराया गया तथा आवश्यक दस्तावेजी एवं वैज्ञानिक साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर अभियुक्त को धारा 64(1), 74, 117(3), 351(2) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 3/4 पॉक्सो अधिनियम के अपराधों में दोषी पाया। न्यायालय ने अभियुक्त को धारा 4 पॉक्सो अधिनियम में 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं 20,000 अर्थदण्ड, धारा 117(3) बीएनएस में 15 वर्ष का कठोर कारावास एवं ?20,000 अर्थदण्ड, धारा 74 बीएनएस में 2 वर्ष का कारावास एवं 5,000 अर्थदण्ड तथा धारा 351(2) बीएनएस में 1 वर्ष का कारावास एवं 1,000 अर्थदण्ड से दंडित किया। सभी सजाएँ साथ-साथ चलेंगी। अर्थदण्ड की आधी राशि पीड़िता तथा आधी राशि घायल बालिका के पुनर्वास हेतु दिए जाने का आदेश भी पारित किया गया। राज्य की ओर से अभियोजन का संचालन विशेष लोक अभियोजक दिनेश प्रसाद अग्रहरी एवं नीरज कुमार सिंह द्वारा प्रभावी रूप से किया गया।

मेडिकल असेसमेंट कैंप में 13 बच्चों के बने दिव्यांगता प्रमाण पत्र

भदोही। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को बीआरसी अभोली में मेडिकल असेसमेंट कैंप आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा नामित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिव्यांग बच्चों का परीक्षण कर प्रमाण पत्र जारी किया। कैंप में 25 बच्चों का पंजीकरण हुआ, जिनमें 13 बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए गए। वहीं दो बच्चों को श्रवण जांच के लिए बीएचयू रेफर किया गया। कैंप में आर्थोपेडिक, नेत्र, मानसिक रोग एवं ईएनटी विशेषज्ञों ने बच्चों का परीक्षण किया। इस दौरान सीएमओ कार्यालय की प्रिया श्रीवास्तव, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा रश्मि मिश्रा, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. जेपी सिंह, स्पेशल एजुकेटर राम सजीवन, राणा गोविंद, विजय मौर्य, सत्येंद्र कुमार द्विवेदी सहित अन्य मौजूद रहे।

सोनभद्र में नीति तारा पर अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश– आकांक्षी जनपद एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत नीति आयोग द्वारा विकसित नीति तारा (विश्लेषण, समीक्षा एवं कार्यवाही टूलकिट) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विकास भवन, सोनभद्र में जिला एवं विकास खंड स्तरीय अधिकारियों का क्षमता निर्माण एवं उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों को आंकड़ा-आधारित निर्णय प्रणाली, विभिन्न शासकीय पोर्टलों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषणात्मक उपकरणों के उपयोग से परिचित कराना था। नीति आयोग की ओर से एडसिल इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि अभिषेक सिंह ने अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने नीति तारा की कार्यप्रणाली, वास्तविक समय के डैशबोर्ड, भू-स्थानिक मानचित्रण, विभिन्न विभागीय पोर्टलों के समेकित उपयोग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आंकड़ा विश्लेषण की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि विभिन्न विभागों से प्राप्त आंकड़ों का समेकित विश्लेषण कर योजनाओं की प्रगति की प्रभावी समीक्षा, कमियों की पहचान तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय लेकर विकास कार्यो को अधिक परिणामोन्मुख बनाया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, उप कृषि निदेशक राजकुमार, जिला कृषि अधिकारी वीरेन्द्र कुमार, उपायुक्त मनरेगा रविंद्र वीर, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सन्तपाल वर्मा, राजेश कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रवींद्र पटेल, अपर सांख्यिकीय अधिकारी डॉ. के.एन. उपाध्याय, डॉ. जय सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. मिश्रा, खंड विकास अधिकारी चतरा, विकासखंड चतरा के अन्य अधिकारीगण तथा शिक्षा विभाग से डॉ. सूर्य प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि नीति तारा एक समेकित डिजिटल प्रणाली है, जो आंकड़ों, विश्लेषण तथा दृश्य प्रस्तुतीकरण को एक मंच पर उपलब्ध कराकर जिला एवं विकास खंड स्तर पर योजनाओं की निगरानी, समीक्षा तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाती है। यह पहल आकांक्षी जिलों एवं विकासखंडों में सुशासन को सुदृढ़ करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

स्टारशिप ने 20 उन्नत स्टारलिंक उपग्रहों के साथ भरी सफल उड़ान

स्पेसएक्स के 13वें परीक्षण मिशन में बड़ी सफलता, नासा ने भी रखी करीबी नजर

नई दिल्ली(एजेंसी)। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने शुक्रवार को अपने विशाल स्टारशिप रॉकेट का 13वां परीक्षण मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस दौरान स्टारशिप ने टेक्सास स्थित दक्षिणी प्रक्षेपण केंद्र से उड़ान भरते हुए 20 अत्याधुनिक स्टारलिंक उपग्रहों को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया। लगभग 124 मीटर (407 फुट) ऊंचा यह रॉकेट दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान माना जाता है। करीब एक घंटे तक चली उड़ान के दौरान स्टारशिप ने लगभग 200 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक-एक कर सभी उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ा। इसके बाद अंतरिक्षयान ने पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश किया और निर्धारित योजना के अनुसार हिंद महासागर में सुरक्षित जल अवतरण किया। स्पेसएक्स ने इसे अब तक का सबसे सफल पुनः प्रवेश परीक्षण बताया है। इस मिशन पर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की भी विशेष नजर रही। भविष्य में चंद्रमा पर मानव मिशन के लिए स्टारशिप को लूनर लैंडर के रूप में इस्तेमाल करने की योजना है। उड़ान से पहले स्पेसएक्स ने पहले चरण के 33 इंजनों में से छह इंजनों को बदला था, क्योंकि पिछले सप्ताह तकनीकी खराबी के चलते प्रक्षेपण अंतिम समय में स्थगित करना पड़ा था। नए प्रक्षेपित 20 स्टारलिंक उपग्रहों में से छह पर विशेष कैमरे लगाए गए थे, जिन्होंने उड़ान के दौरान स्टारशिप की हीट शील्ड की उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें भेजीं। हीट शील्ड पर लगे सेंसरों ने वायुमंडल में पुनः प्रवेश के समय पड़ने वाले अत्यधिक ताप और दबाव का भी सफलतापूर्वक रिकॉर्ड किया। स्पेसएक्स के अनुसार वर्तमान में 10,000 से अधिक स्टारलिंक उपग्रह दुनिया भर में इंटरनेट सेवा प्रदान कर रहे हैं। कंपनी की इंजीनियर केट टाइस ने मिशन को 'लकी फ्लाइट 13' बताते हुए इसकी सफलता पर खुशी जताई, जबकि नासा ने कहा कि इस परीक्षण से भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी अनुभव प्राप्त होंगे।

लगभग 124 मीटर (407 फुट) ऊंचा यह रॉकेट दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान माना जाता है। करीब एक घंटे तक चली उड़ान के दौरान स्टारशिप ने लगभग 200 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक-एक कर सभी उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ा। इसके बाद अंतरिक्षयान ने पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश किया और निर्धारित योजना के अनुसार हिंद महासागर में सुरक्षित जल अवतरण किया। स्पेसएक्स ने इसे अब तक का सबसे सफल पुनः प्रवेश परीक्षण बताया है।

विवाहिता पर जानलेवा हमले और उत्पीड़न मामलें में पति पर रिपोर्ट दर्ज

अवैध संबंधों के विरोध पर घटना को दिया अंजाम, घर वाली के जेवर बाहर वाली को देने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। अवैध संबंधों के विरोध पर पति ने विवाहिता पर जानलेवा हमला कर दिया। यही नहीं घर वाली के जेवरात बाहर वाली को दे दिए। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की कोशिश की। किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर अपने बच्चों को लेकर पीड़िता मायके आ गई। इस मामले में पीड़िता द्वारा की गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी पति के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना माधोटांडा क्षेत्र स्थित रामनगरा गाँव से पति के क्रूर अत्याचार का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति देवा राय पर अवैध संबंध, मारपीट, गहने छीनने और गला दबाकर जान से मारने के प्रयास का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, उसकी शादी लगभग 12 साल पहले हुई थी और उनके दो बच्चे हैं। आरोप है कि पति के किसी अन्य महिला के साथ संबंध हैं, जिसका विरोध करने पर आरोपी ने घर के सभी जेवरात उस महिला को दे दिए और पीड़िता के साथ मारपीट की। पीड़िता के बताये अनुसार हद तो तब हो गई जब 21 जुलाई को आरोपी पति ने पत्नी की हत्या की नीयत से उसका गला दबा दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। होश में आने के बाद पीड़िता अपने दोनों बच्चों को बचाकर मायके आ गई और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। थाना माधोटांडा पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर 24 जुलाई 2026 को आरोपी पति देवा राय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं–85, 115(2), 109 और 351(3)–के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर मारपीट कर विवाहिता को कमरे में रखा बन्द

पूरनपुर (पीलीभीत)। अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी दी गयी। यही नही विवाहिता को कई दिनों तक कमरे में बंद रखा गया। इस दौरान उसे खाना पानी नहीं दिया गया। साथ ही मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर पति सहित छः ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। थाना घुंघचाई क्षेत्र के गांव बिलंदपुर अशोक निवासी वर्षा पुत्री नेवराम ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसका विवाह 05 मई 2026 को कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के गांव शिवपुरिया निवासी मन सिंह पुत्र होरालाल के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर, जेठ, जेठानी और देवर एक लाख रुपये नकद और सोने की चेन की मांग करने लगे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने की बात कहने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि मांग पूरी न होने पर उसे गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी गई और तीन दिन तक कमरे में बंद रखकर मारपीट की गई।

नगर निगम की लापरवाही से मेवा लाल की बगिया में खुले नाले में गिरी कार

इसके पूर्व भी हो चुकी है घटना फिर भी नहीं चेता नगर निगम,लोगो में आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। नैनी स्थित मेवा लाल की बगिया क्षेत्र में शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे एक कार अचानक खुले नाले में जा गिरी। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस स्थान पर यह हादसा हुआ वहां नाला लंबे समय से खुला पड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले भी इसी स्थान पर एक कार नाले में गिर चुकी थी, लेकिन उस घटना के बाद भी नगर निगम ने नाले को ढकने या सुरक्षा के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की।परिणामस्वरूप शुक्रवार रात फिर एक वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि समय रहते खुले नालों को ढका जाता और सुरक्षा बैरिकेडिंग की जाती, तो इस तरह की घटनाओं से बचा जा सकता था। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि खुले नालों को तत्काल ढका जाए, पर्याप्त चेतावनी संकेत और बैरिकेड लगाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं की गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

संत रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर भाजपा कार्यालय पर आयोजित हुई कार्यशाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पीलीभीत पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य रहे, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती ने किया। कार्यशाला में पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संतों एवं महात्माओं के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संतों ने समाज को सदैव मानवता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया है। बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने संत रविदास महाराज के संपूर्ण जीवन पर चर्चा करते हुए उनके जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं और समाज के प्रति उनके योगदान को विस्तार से बताया।बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने कहा कि 29 जुलाई से पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर सक्रिय रूप से सहभागिता करनी है। उन्होंने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और महापुरुषों एवं संतों का सम्मान करने का कार्य भाजपा द्वारा निरंतर किया जा रहा है।जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी को सक्रिय एवं काम करने वाले कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है। यदि कोई कार्यकर्ता अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर पा रहा है तो वह स्वयं अपना दायित्व छोड़ सकता है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को पूरी सक्रियता से संपन्न कराने के साथ ही डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर भी सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया।इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य रजनीश पांडेय, जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, महादेव गाईन, अनुराग अग्निहोत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो सोनू वाल्मीकि, पूरनपुर नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार सहित भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यशाला में जिला उपाध्यक्ष नमन प्रताप राजपूत, विकास श्रीवास्तव, रेखा परिहार, अतिंदर पाल सिंह, मनोज गुप्ता, आयुष मिश्रा, जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा, अमित कुशवाहा, नागेंद्र सिंह गंगवार, विकास वाल्मीकि, रेनू राज, पंकज तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष विकास पाल, संतोख सिंह संधू, शांति स्वरूप सोनकर, अभिषेक पटेल गोल्डी, हरिओम शर्मा, अभिमन्यु गंगवार, दीपक सोनकर, महेश वर्मा, डालचंद वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ड्राइवर पर एसडीएम के नाम पर धन उगाही करने का आरोप, सीएम से शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। उपजिलाधिकारी पूरनपुर के ड्राइवर पर साहब के नाम पर धन उगाही किए जाने के आरोप लगे हैं। यही नहीं ड्राइवर की माफियाओं से सांठ-गांठ की भी बात कही जा रही है। इसको लेकर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जांच पूरी होने तक ड्राइवर को हटा दिया है। तहसील में तैनात पूरनपुर एसडीएम के ड्राइवर नदीम के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी और सीएम से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि संबंधित चालक एसडीएम के नाम और पद का प्रभाव दिखाकर अवैध रूप से धन उगाही करता है तथा आपराधिक तत्वों से सांठगांठ रखता है। फिलहाल ये सभी आरोप शिकायतकर्ता के हैं और इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नगर के मोहल्ला साहूकारा, लाइनपार निवासी वैभव सक्सेना ने 23 जुलाई को जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि एसडीएम का चालक नदीम लंबे समय से खनन माफिया, अवैध लकड़ी कटान और गौकशी से जुड़े लोगों के संपर्क में रहता है तथा एसडीएम के नाम का प्रभाव दिखाकर अवैध तरीके से धन अर्जित करता है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि तहसील की फाइलों में मोटी रकम लेकर काम कराने का आश्वासन दिया जाता है और इसी कथित तरीके से करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि संबंधित चालक सरकारी वाहन के साथ अपनी तस्वीरें फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर अपना प्रभाव दिखाने का प्रयास करता है, जिससे आम लोगों पर रौब जमाया जा सके।प्रार्थना पत्र में पूरे मामले की गहन जांच कर संबंधित कर्मचारी को तत्काल हटाने तथा दोष सिद्ध होने पर विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इससे प्रशासन की साख बनी रहेगी और आम जनता को अवैध वसूली व प्रभाव के दुरुपयोग से राहत मिलेगी। एसडीएम मयंक गोस्वामी ने बताया कि जिलाधिकारी ने आरोपों की जांच कराने के आदेश दिए है। यह ड्राइवर उनसे पहले जो जिलाधिकारी थे, उनके समय में कार्य कर रहा था। वर्तमान में उसे काम से हटा दिया गया है। शिकायत सही पाए जाने पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मामले में याचिकाकर्ता से कहा - धैर्य रखें, अभी इसके लिए सही समय नहीं है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। 'थोड़ा धैर्य रखें। कई मामले लंबित हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हिंदू पक्ष से यह बात कही। हिंदू पक्ष ने सावन के पवित्र महीने में वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर के सील किए गए इलाके में मौजूद कथित शिवलिंग पर पूजा करने की अनुमति मांगी थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिका पर सुनवाई करते हुए वकील विष्णु शंकर जैन से कहा, 'इस तरह की प्रार्थना के लिए यह सही समय नहीं है।' हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सील किए गए वजूखाना इलाके के अंदर विशेष पूजा करने की अनुमति मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के पालन में यह इलाका 2022 से सील है। विवादित ढांचा, जिसे हिंदू पक्ष शिवलिंग बताता है, 2022 में कोर्ट की निगरानी में हुए सर्वे के दौरान मिला था और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सील है। इस महीने की शुरुआत में, हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट के 'समाधान समारोह' पहल के तहत बातचीत से विवाद सुलझाने के प्रस्ताव को औपचारिक रूप से ठुकरा दिया था। इसके बजाय, उन्होंने कानूनी आधार पर नियमित न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से मामले का निपटारा करने का विकल्प चुना। जनवरी 2024 में, वाराणसी जिला अदालत ने हिंदू श्रद्धालुओं को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के दक्षिणी तहखाने, 'व्यास तहखाना' में पूजा करने की अनुमति दी थी।इसके बाद, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जिला अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति की अपील खारिज कर दी थी।

गांव की जर्जर सड़क व जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। गांव की जर्जर सड़क और उस पर होने वाले जलभराव की समस्या को लेकर जुलूस की शक्ल में तहसील परिसर पहुंचे ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है। तहसील क्षेत्र के ग्राम जादोपुर गहलुइया के ग्रामीणों ने गांव की जर्जर सड़क और जलभराव की समस्या को लेकर शनिवार दोपहर 12 बजे एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य सड़क लंबे समय से बदहाल है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर पानी भर जाता है और कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। इसी मार्ग से स्कूली बच्चे, किसान, महिलाएं, बुजुर्ग और मरीज रोजाना आवागमन करते हैं, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई लोग फिसलकर घायल भी हो चुके हैं, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। ज्ञापन में सड़क का शीघ्र निर्माण कराने और जल निकासी के लिए नाली बनवाने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन पर अकील बेग, कमरुद्दीन, शाकिर, अनस खान, मुजाहिद, जाकिर, आरिफ, मोहम्मद आकिब, अब्दुल कादिर, साजिद बेग, अफजाल, अरबाज, अयान खान सहित कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने थाना समाधान दिवस में सुनीं फरियादियों की शिकायतें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। थाना समाधान दिवस में आने वाले फरियादियों की शिकायतों को सुनने के बाद जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने अधीनस्थों को जनता की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। थाना समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को थाना न्यूरिया परिसर में पुलिस अधीक्षक पीलीभीत सुकीर्ति माधव एवं जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेन्द्र सिंह ने पहुंचकर क्षेत्रीय जनता की समस्याएं सुनीं। दोनों अधिकारियों ने फरियादियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी शिकायतों एवं प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।समाधान दिवस में विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतें अधिकारियों के समक्ष पहुंचीं। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। फरियादियों की समस्याओं का निष्पक्षता के साथ समाधान करते हुए उन्हें अनावश्यक रूप से अधिकारियों और कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। अधिकारियों ने विशेष रूप से राजस्व से संबंधित शिकायतों के निस्तारण को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें गठित कर मौके पर भेजी जाएं और स्थलीय निरीक्षण करते हुए निष्पक्ष एवं न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करने के बाद ही प्रभावी समाधान किया जाए। थाना समाधान दिवस के दौरान थाना क्षेत्र के आसपास के सभी ग्राम प्रधानों को भी बुलाया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने ग्राम प्रधानों से उनके-अपने गांवों की समस्याओं तथा जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी प्राप्त की। ग्राम प्रधानों द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने संबंधित विभागों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी है। आमजन को त्वरित न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं के प्रभावी निस्तारण के लिए प्रशासन एवं पुलिस विभाग पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है।

बाइकों की भिड़ंत में तीन घायल, दो गम्भीर

पूरनपुर (पीलीभीत)। किसान नेता के घर से वापस लौट रहे राजमिस्त्री और मजदूर की बाइक की दूसरी बाइक से भिड़न्त हो गयी। इस हादसें में तीन लोग घायल हो गये। घायलों को प्राथमिक उपचार के उपरांत जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि घायलों में दो लोगों की हालत गम्भीर बनी हुई है। कोतवाली क्षेत्र के गांव टांडा छत्रपति निवासी राजमिस्त्री संजीव शर्मा पुत्र मंगरेलाल गुरुवार को गांव के भगवानदीन के साथ पचपेड़ा निवासी किसान नेता मंजीत सिंह के घर निर्माण कार्य करने गए थे। शाम को काम खत्म कर दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। खमरिया के पास पहुंचते ही उनकी बाइक की दूसरी बाइक से आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में सर्वेश शर्मा, भगवानदीन तथा दूसरी बाइक सवार पूरनपुर की रजा कॉलोनी निवासी सर्वेश पुत्र रामकिशन घायल हो गए।दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पूरनपुर पहुंचाया गया।